राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 226 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,07 फरवरी 2021 , मूल्य रु. 1.50

बिहार में अधिकारियों पर सख्ती, जानबूझकर जमीन की दाखिल खारिज लटकाए रखा तो अब फंसेंगे

पटना। बिहार में अब अगर दाखिल खारिज का मामला लंबित रहा तो अधिकारी फंसेंगे। किस अधिकारी के स्तर पर कितने मामले लंबित हैं, इसकी सूचना संबंधित जिले के डीएम को हर हफ्ते मिलेगी। साथ ही, मुख्यालय से विभाग के अधिकारी भी इसकी मॉनिटरिंग कर सकेंगे। सबसे अधिक और सबसे कम मामलों का निष्पादन करने वाले अधिकारियों की सूचना भी डीएम को मिलेगी। इसी अधार पर कर्मियों को पुरस्कृत किया जा सकेगा तो दंड का भी प्रवधान होगा।

जानबूझकर लटकाने की थी शिकायत–राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इस पूरी व्यवस्था के लिए प्वाइंट और डिले नोटिफिकेशन नाम से वेब एप्लीकेशन बनाया है। इस पर सूचनाएं भी मिलनी शुरू हो गई हैं। विभाग को इस तरह की शिकायतें मिल रही थीं कि मामलों को जानबूझ कर लटका कर रखा जाता है। इसमें भ्रष्टाचार की भी शिकायत है। इसी को देखते हुए नई व्यवस्था की गई है। दाखिल-खारिज की मौजूदा ऑनलाइन प्रक्रिया में प्रत्येक कर्मी की जिम्मेदारी पहले से तय है। उनके द्वारा किए जाने वाले कार्य की समय सीमा भी तय है। लेकिन देर होने पर सूचना देने का प्रावधान नहीं था। नई व्यवस्था में अगर कोई कर्मचारी तय समय से अधिक समय तक कोई आवेदन अपने पास रोक कर रखता है तो उसकी जानकारी उसके अंचलाधिकारी को प्राप्त हो जाएगी। इसी तरह अंचलाधिकारी अगर निर्धारित समय सीमा के भीतर दाखिल-खारिज के आवेदनों का निपटारा नहीं करते हैं तो संबंधित जिला पदाधिकारी को इस बात की जानकारी मिल जाएगी। विभाग के अपर मुख्य सचिव विवेक कुमार सिंह ने ऑन लाइन म्यूटेशन की प्रक्रिया में और पारदर्शिता लाने के लिए इस एप्लीकेशन का निर्माण करवाया गया है। उनका कहना है कि ऐसा देखा जा रहा था कि दाखिल-खारिज के मामले निष्पादित तो हो रहे थे किन्तु तय समय सीमा के भीतर नहीं हो पा रहे थे।

गुजरात उच्च न्यायालय के 60 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी, न्यायपालिका ने अपने कर्तव्य का पूर्ण निष्ठा से पालन किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश की न्यायपालिका की सराहना करते हुए कहा कि उसने लोगों के अधिकार की रक्षा करने और निजी स्वतंत्रता को बरकरार रखने के अपने कर्तव्य का पूर्ण निष्ठा से निवर्हन किया है. उन्होंने कहा कि न्यायपालिका ने उन स्थितियों में भी अपने कर्तव्य का निष्ठा से पालन किया, जब राष्ट्र हितों को प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता थी.

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के दौरान वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से दुनिया में सर्वाधिक संख्या में सुनवाई की. मोदी ने गुजरात उच्च न्यायालय के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से डाक टिकट जारी करने के बाद कहा, हर देशवासी यह कह सकता है कि हमारी न्यायपालिका ने हमारे संविधान की रक्षा के लिए दृढ़ता से काम किया.

हमारी न्यायपालिका ने अपनी सकारात्मक व्याख्या से संविधान को मजबूत किया है.

उन्होंने कहा, ''यह सुनकर सभी को गौरव होता है कि हमारा न्यायालय महामारी के दौरान वीडियो कांफ्रेंस के जरिए दुनिया का सर्वाधिक सुनवाई करने वाला न्यायालय बन गया है.

मोदी ने कहा कि न्यायपालिका ने लोगों के अधिकार की रक्षा करने, निजी स्वतंत्रता को बरकरार रखने के अपने कर्तव्य का निष्ठा से निर्वहन किया और उसने उन स्थितियों में भी अपने कर्तव्य का पालन किया, जब राष्ट्र हितों को प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता थी. उन्होंने कहा कि 'डिजिटल इंडिया मिशन की बदौलत देश की न्याय प्रणाली का तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है और 18,000 से अधिक अदालतें कम्प्यूटरीकृत हो चुकी हैं.

मोदी ने गुजरात उच्च न्यायालय की सराहना करते हुए कहा कि उसने सत्य और न्याय के लिए जिस कर्तव्यनिष्ठा से काम किया और अपने संवैधानिक कर्तव्यों के लिए

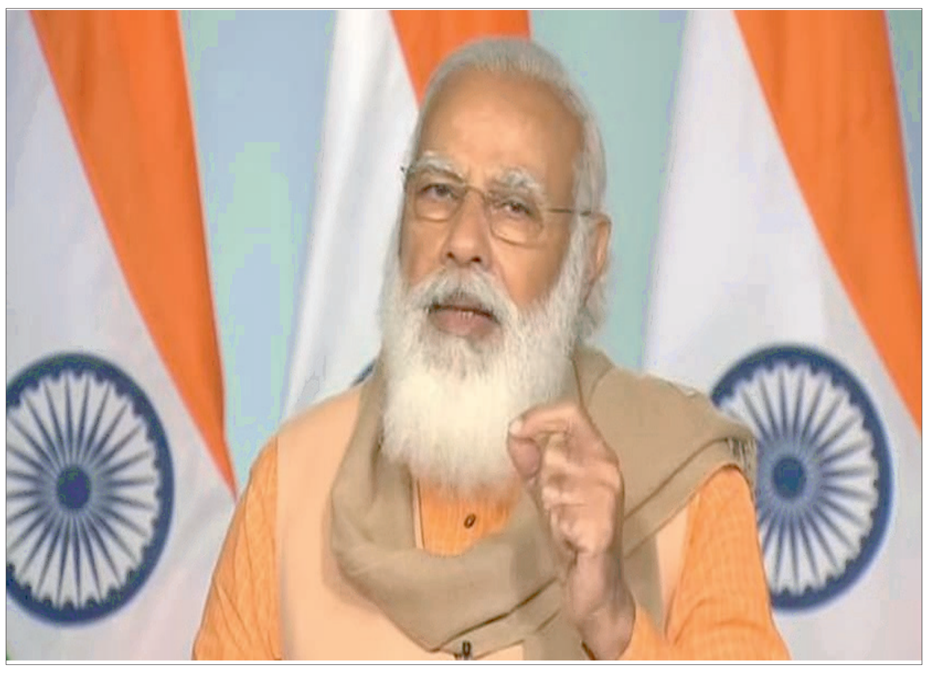

जो तत्परता दिखाई, उससे भारतीय न्याय व्यवस्था और भारत के लोकतंत्र दोनों मजबूत हुए हैं.

मोदी ने गुजरात उच्च न्यायालय की हीरक जयंती पर उसे बधाई देते हुए कहा कि अदालत और बार ने अपनी समझ एवं विद्वता के कारण विशिष्ट पहचान बनाई है. उन्होंने कहा, ''न्यायपालिका के प्रति भरोसे ने सामान्य नागरिक के मन में एक आत्मविश्वास पैदा किया है। उसे सच्चाई के लिए खड़े होने की ताकत दी है। जब हम आजादी से अब तक देश की यात्रा में न्यायपालिका के योगदान की चर्चा करते हैं, तो हम 'बार के योगदान की भी चर्चा करते हैं.

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में कानून का शासन, सदियों से सभ्यता और सामाजिक ताने-बाने का आधार रहा है. उन्होंने प्राचीन ग्रंथों का हवाला देते हुए कहा कि न्याय ही सुराज की बुन है.

मोदी ने कहा कि न्यायपालिका ने संविधान की रक्षा करने का दायित्व पूरी दृढ़ता से निभाया है. उन्होंने कहा, '' हमारे संविधान में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को दी गई जिम्मेदारियां हमारे संविधान के लिए प्राणवायु की तरह है। हमारी न्यायपालिका ने संविधान की प्राणवायु की सुरक्षा का दायित्व पूरी दृढ़ता से निभाया.

> **मोदी ने कहा, ''हमारी न्याय प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए भी सुलभ हो, जहां हर व्यक्ति के लिए समय पर न्याय की गारंटी हो।**

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार और न्यायपालिका दोनों का यह दायित्व बनता है कि वे मिलकर लोकतंत्र के लिए विश्वस्तरीय न्याय प्रणाली तैयार करें. उन्होंने कहा कि न्याय प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जो समाज के सबसे वंचित तबके के लिए भी सुलभ हो.

मोदी ने कहा, ''हमारी न्याय प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए भी सुलभ हो, जहां हर व्यक्ति के लिए समय पर न्याय की गारंटी हो। सरकार इस दिशा में काम करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है.

यूपी में वैक्सीनेशन होते ही 1800 स्वास्थ्यकर्मी हो गए 'लापता'

बरेली। कोविड वैक्सीनेशन का पहला राउंड पूरा होते ही 1800 से अधिक स्वास्थ्यकर्मी लापता हो गए। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 26,292 कर्मचारियो का डाटा शासन को भेजा गया था

लेकिन अब तक 24,289 हेल्थ वर्कर्स का ही पता चल सका है। आशंका यह भी जताई जा रही है कि कहीं न कहीं स्वास्थ्यकर्मियों का रिकार्ड बनाने में ही गड़बड़ी हुई है। कोरोना महामारी का टीका सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों को लगाया गया है। शासन ने सभी जिलों से स्वास्थ्यकर्मियों की सूची मांगी थी। इसमें सरकारी और निजी अस्पतालों के सभी कर्मचारियों को शामिल किया गया था। जिले से जो सूची शासन को भेजी गई थी, उसमें 26292 स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे। संख्या के हिसाब से जिले प्रदेश में टाप 5 में शामिल था। पर जब वैक्सीनेशन शुरू हुआ तो 1800 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों का पता ही नहीं चल रहा। वैक्सीनेशन का पहला चरण पूरा हो गया है और अब तक 24289 स्वास्थ्यकर्मियों का ही रिकार्ड सत्यापित हो पाया है।

एक ही नाम दो बार होने से इंकार नहीं

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. आरएन सिंह ने कहा कि वैक्सीनेशन का पहला चरण पूरा होने के बाद करीब 1800 स्वास्थ्यकर्मी कम मिले। इससे संभावना है कि कई स्वास्थ्यकर्मियों के नाम दो या अधिक बार पोर्टल पर अपलोड हो गए थे। ये भी हो सकता है कि कई ऐसे लोगों के नाम भी अपलोड हुए हों जो इस मानक में नहीं आते थे।

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में दुनिया में पहली बार किसी देश पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। दुनिया में पहली बार एक अनोखे मुकदमे का निपटारा हुआ है। पेरिस की एक अदालत ने फ्रांस सरकार को जलवायु खतरों से निपटने के लिए समुचित प्रयास नहीं करने का दोषी करार दिया है। अदालत ने फ्रांस सरकार पर एक यूरो का प्रतीकात्मक जुर्माना लगाया है। पेरिस की प्रशासनिक अदालत में इस मुकदमे की सुनवाई हुई। दरअसल, दो साल पूर्व चार गैर सरकारी संगठनों ने यह मुकदमा दायर किया था, जिसे 23 लाख लोगों का समर्थन प्राप्त था। ऑनलाइन याचिका पर इतने लोगों ने हस्ताक्षर किए थे। कई बार सुनवाई करने के बाद बुधवार को अदालत ने फैसला दिया। अदालत ने ऐतिहासिक फैसले में फ्रांस में जलवायु परिवर्तन पारिस्थितिकीय तंत्र को क्षति पहुंचने की बात मानी। अदालत ने कहा कि फ्रांस सरकार ग्रीनहाउस गैसों को कम करने के लक्ष्यों को पूरा करने में नाकामयाब रही है, जिसके चलते पारिस्थितिकीय क्षति हुई। इस पर अदालत ने राज्य को मुआवज़े के रूप में 1 यूरो की प्रतीकात्मक रकम का भुगतान करने का आदेश दिया।

निर्णय लेने के लिए खुद को दो महीने का समय दिया– मुकदमे के दौरान पेरिस की अदालत ने समस्या को सुधारने और चीजों को खराब होने से रोकने के उपायों पर निर्णय लेने के लिए खुद को दो महीने का समय दिया। अदालत ने कहा कि क्षति की भरपाई के लिए सरकार को ग्रीनहाउस गैसों को कम करने के लक्ष्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह स्वीकार करना कि राज्य की गलती से पारिस्थितिकीय क्षति हुई है, फ्रांसीसी न्याय में पहली बार हुआ है।

इन लक्ष्यों को नहीं किया पूरा

रिन्यूएबल ऊर्जा-2020 के लिए लक्ष्य 23 है, लेकिन एक बड़ी क्षमता के बावजूद फ्रांस 2019 में केवल 17.2 तक पहुंचा है। यूरोपीय संघ में उसका प्रदर्शन सबसे खराब है।

भवनों का ऊर्जा नवीकरण– प्रति वर्ष 0.2 की दर है। जबकि 2022 के बाद 1 प्रति वर्ष और 2030 तक प्रति वर्ष 1.9 की दर से कार्य होना है। जो रफ्तार है वह लक्ष्य के अनुरूप नहीं है।

कृषि– आर्गेनिक खेती-यह कार्य महज आठ फीसदी हुआ है, जबकि 2020 में इसे 20 फीसदी तक पहुंच जाना चाहिए था। जो कार्य किया जा रहा है उससे 2022 में सिर्फ 15 फीसदी का लक्ष्य ही हासिल किया जा सकता है।

इजरायली दूतावास के बाहर आईईडी धमाके की जांच होगी तेज? एनआईए का साथ देने पहुंची टीम मोसाद

नई दिल्ली। दिल्ली में इजरायली दूतावास के बाहर हुए धमाके की जांच में अब राष्ट्रीय सुरक्षा जांच एजेंसी के साथ मोसाद भी जुट गई है। बुधवार को इजरायल की खुफिया एजेंसी की एक टीम ने इस संबंध में एनआईए से मुलाकात की। इस दौरान एनआईए ने 29 जनवरी को हुए बम धमाके को लेकर अब तक मिले सबूतों को मोसाद की टीम से साझा किया। शुरुआती जांच के मुताबिक, हमले के पीछे ईरान का हाथ है। जांच में एनआईए की मदद के लिए मोसाद की टीम खासतौर पर इसी हफ्ते तेल अवीव से नई दिल्ली आई है। दोनों देशों का खुफिया तंत्र इस हमले के जिम्मेदारों को खोजने का काम कर रहे हैं। संदिग्धों का पता लगाने के लिए कई सोशल मीडिया अकाउंटों के डेटा भी खंगाले जा रहे हैं। भारत में इजरायल के राजदूत डॉ. रॉन मलका ने धमाके के बाद यह कहा था कि उनकी खुफिया एजेंसी भारत के साथ मिलकर हमले की जांच करेगी। अभी तक की जांच में यह पता लगा है कि इजरायली दूतावास के बाहर हुए कम तीव्रता वाला धमाके का उस संदिग्ध पैकेट से कोई लेना-देना नहीं है जो उसी दिन पैरिस में इजरायली दूतावास के बाहर मिला था। दुर्भाग्य से अभी तक एजेंसी को ऐसा कोई गवाह नहीं मिला जिसने किसी को दूतावास के बाहर सड़क पर आईईडी रखते हुए देखा हो। इस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज से भी अभी तक कोई खास सुराग हाथ नहीं लगा है। एफआईआर में लिखा गया है, 'दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल दफ्तर में शाम 5 बजकर 20 मिनट पर यह सूचना मिली की धमाका हुआ है। यह धमाका डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर जिंदल हाउस, बंगला नंबर 5 के पास हुआ। आईईडी धमाके की वजह से सड़क पर ताड़ के पेड़ के पास गड्ढा हो गया। धमाके की वजह से तीन गाड़ियों शीशे तक चटक गए।'

मार्च से आम लोगों को लगने लगेगी वैक्सीन

50 पार लोगों का इंतजार होगा खत्म

नई दिल्ली। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चल रहा है। टीकाकरण के पहले चरण मे पूरे देश में हेल्थ वर्कर्स को टीका लगाया गया। इसके बाद अब फ्रंट लाइन वॉरियर्स को टीका लगाया जा रहा है जिसमें पुलिस कर्मी, सुरक्षा बलों के लोग शामिल हैं। लेकिन आम लोगों को कोरोना वैक्सीन कब तक मिलेगी? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने संसद में कहा कि मार्च के महीने में आम लोगों को टीका लगना शुरू हो जाएगा। इस चरण 50 साल से ऊपर के लोगों को कोरोना का टीका लगेगा।उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि टीकाकरण की टाइमलाइन को भी बढ़ाना पड़ेगा जो अब तक सिर्फ 50

लेकिन यह संभावना है कि मार्च के दूसरे, तीसरे या चौथे सप्ताह में प्रक्रिया कभी भी शुरू हो जाएगी।'

लाख लोगों का टीकाकरण करने के लिए सीमित है। बता दें कि वैक्सीनेशन के इस चरण में 50 साल से ज्यादा उम्र को उन लोगों को टीका लगेगा जिन्हें कोरोना वायरस के जोखिम खतरा अधिक है। भारत में 16 जनवरी से कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू है। डॉ हर्षवर्धन ने कहा, 'पहले चरण में, सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में लगभग एक लाख स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों का टीकाकरण करने का लक्ष्य रखा गया था, जो काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। दूसरे चरण में, अनुमानित 2 लाख फ्रंटलाइन श्रमिकों का टीकाकरण किया जाना है, और यह इस सप्ताह 2 फरवरी को देश के कई स्थानों पर शुरू हो गया है।' उन्होंने कहा, 'पहले और दूसरे चरण के पूरा होने के बाद, तीसरा चरण शुरू होगा जिसमें 50 साल से ऊपर के सभी लोगों को टीका लगाया जाएगा। एक सटीक तारीख बताना संभव नहीं है, लेकिन यह संभावना है कि मार्च के दूसरे, तीसरे या चौथे सप्ताह में प्रक्रिया कभी भी शुरू हो जाएगी।'

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अभी चल रहे चरण के लिए सरकार के पास 'पर्याप्त खुराक' है और यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम के तहत मौजूदा कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं को भी मजबूत किया गया है और टीकों के भंडारण के लिए इनका उपयोग किया जा रहा है। 1 फरवरी को, सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 2 लाख से अधिक वैक्सीन खुराक प्रदान की गई है।

मुंबई की सुबह...

मुम्बई में शनिवार की सुबह अरबियन सागर में एक मछुआरा अपनी नौका से मछली पकड़ता हुआ।

नक्सलियों से लोहा लेगी महिला कोबरा टीम

देश में पहली बार गुरिल्ला और जंगल में लड़ाई की ले रही हैं ट्रेनिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने नक्सलियों से लोहा लेने के लिए अपनी प्रतिष्ठित कोबरा यूनिट में शामिल करने को महिला कमांडो की पहली बैच का चयन किया है।

देश में ये पहला मौका है जब महिलाओं को नक्सलियों से लड़ने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। ये ट्रेनिंग बेहद सख्त होगी। सीआरपीएफ की सभी छह महिला बटालियनों से कुल 34 महिला कमांडो का चयन किया गया है। प्रतिष्ठित कोबरा (कमांडो बटालियन्स फॉर रिसॉल्यूट एक्शन) यूनिट में शामिल किए जाने से पूर्व इन्हें तीन महीने तक सख्त प्रशिक्षण दिया जाएगा। सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि तीन महीने के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें आधुनिक हथियार चलाना सिखाया जाएगा। इसके अलावा शारीरिक क्षमताओं में वृद्धि करने के साथ-साथ प्लानिंग, फिल्ड क्राफ्ट व विस्फोटकों के इस्तेमाल का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। जंगल में नक्सलियों से मोर्चा लेते समय घिर जाने के बाद खुद को बचाने के गुर भी उन्हें सिखाए जाएंगे। इन महिला कमांडो को पुरुष कमांडो के साथ नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात किया जाएगा।

कोबरा की 10 बटालियन बनाने की मंजूरी

गृह मंत्रालय ने नक्सलियों से मुकाबला करने के उद्देश्य से गुरिल्ला और जंगल में लड़ाई करने जैसी कार्रवाई को अंजाम देने के लिए कोबरा की 10 बटालियन गठित करने की मंजूरी दी थी। कोबरा के दो बटालियनों का गठन 2008-2009 में किया गया था। साल 2009-10 में बटालियन की संख्या बढ़ाकर चार कर दी गई। इसके बाद 2010-2011 में चार और बटालियन का गठन किया गया। फिलहाल सीआरपीएफ के पास 246 बटालियन हैं। इनमें 208 एग्जिक्यूटिव, छह महिला, 15 आरएएफ, 10 कोबरा, पांच सिग्नल, एक स्पेशल ड्यूटी ग्रुप और एक पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप शामिल हैं। सीआरपीएफ के डीआईजी एम। दिनाकरन ने बताया कि जिन 34 महिला कमांडो का चयन किया गया है, उन्होंने स्वेच्छा से कोबरा यूनिट में शामिल होने के लिए अपने नाम सुझाए थे। इनके अलावा 200 और महिला कमांडो ने भी सीआरपीएफ की इस प्रतिष्ठित यूनिट में शामिल होने के लिए अपने नाम दिए हैं।

पर्यावरण से खिलवाड़ का असर: ऑस्ट्रेलिया में 61 साल की रिकॉर्ड गर्मी से आग; अमेरिका में 122 साल की रिकॉर्ड बर्फबारी

सिडनी। 2.55 करोड़ की आबादी वाला ऑस्ट्रेलिया एक तरफ कोरोना से उबरने में जुटा है। वहीं बढ़ते तापमान के कारण जंगलों में लगी आग ने मुसीबत बढ़ा दी है। यह आग लॉकडाउन

का सामना कर रहे पर्थ में लगी है। इस आग से 25 हजार एकड़ जंगल जल चुका है। 80 घर भी खाक हो चुके हैं। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग के 250 कर्मचारी और दो हेलीकॉप्टर लगे हैं।

मौसम एजेंसी के मुताबिक, जनवरी-फरवरी में ऑस्ट्रेलिया का औसत तापमान 17 से 25 डिग्री के बीच रहता है। लेकिन इस साल यह 40.2 डिग्री तक पहुंच गया है। इस कारण भयानक गर्मी पड़ रही है, जिसने पिछले 61 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले 1960 में 37.2 डिग्री तापमान पहुंचा था। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि जलवायु परिवर्तन बढ़े तापमान और तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैल रही है।

बर्फीला तूफान 'ओरलेना' कमजोर होकर इंग्लैंड की तरफ बढ़ा, अब राहत

अमेरिका में इस हफ्ते आए बर्फीले तूफान 'ओरलेना' के कारण न्यूजर्सी में करीब 40 इंच (3 फीट से ज्यादा) बर्फबारी हुई। इसने पिछले 122 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस तूफान के चलते न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन और बोस्टन समेत 20 से ज्यादा राज्यों में बर्फबारी हुई। इस कारण जनजीवन भी अस्त-व्यस्त है। कई सड़कें जाम हो गईं। हजारों उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। वहीं, बर्फबारी के कारण कुछ राज्यों में स्कूल भी बंद करने पड़े। मौसम विभाग के मुताबिक, न्यूजर्सी के आर्लिंगटन में 40 इंच बर्फ गिरी। इससे पहले 1899 में यहां 34 इंच बर्फ गिरी थी। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अटलांटिक क्षेत्र से बर्फीली हवाओं के कारण पूर्वी अमेरिका में बर्फबारी हुई। करीब 90 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। हालांकि, गुरुवार को यह तूफान कमजोर होकर इंग्लैंड की ओर बढ़ गया।

चीन के एंटी डिफेंस मिसाइल के निशाने पर कौन, दक्षिण चीन सागर और भारत के साथ सीमा तनाव के बीच ड्रैगन ने किया परीक्षण

पेइचिंग। दक्षिण चीन सागर और भारत के साथ सीमा तनाव के बीच चीन ने एक बार फिर अपनी शक्ति और क्षमता का प्रदर्शन किया है। दक्षिण चीन सागर और चीन-भारत सीमा पर

बढ़ते तनाव के बीच चीन ने एंटी डिफेंस मिसाइल का परीक्षण किया है। इस मिसाइल की खासियत यह है कि वह दुश्मन के मध्यम दूरी तक मार करने वाली मिसाइल को रास्ते में तबाह करने की क्षमता रखती है। हालांकि, चीन ने इस मिसाइल के बारे में अधिक जानकारी देने से इंकार किया है। चीन के सरकारी न्यूज एजेंसी ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि चीन की यह मिसाइल दुश्मन के मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ध्वस्त कर देगी। उधर, चीनी रक्षा अधिकारियों ने कहा है कि यह पूरा परीक्षण रक्षात्मक प्रकृति का है। किसी देश को लक्ष्य रखकर इसका परीक्षण नहीं किया गया है। हालांकि चीन के इस परीक्षण पर किसी की प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन निश्चित रूप से भारत और अमेरिका की नजर इस पर होगी।

भारत समेत पड़ोसी मुल्कों को भयभीत कर रहा है चीन

विशेषज्ञों की राय है कि चीन की इस मिसाइल का लक्ष्य उन दुश्मन देशों को सतर्क करना है, जिनके पास मिसाइल क्षमता है। प्रो. हर्ष पंत का कहना है कि जाहिर तौर पर चीन का लक्ष्य भारत हैं। चीन इस परीक्षण के जरिए यह प्रदर्शन करना चाह रहा है कि भारत की मिसाइलों से वह पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि लेकिन चीन के इस कदम से जाहिर तौर पर दक्षिण एशिया में शस्त्रों की होड़ का नया सिलसिला पैदा होगा। यह दक्षिण एशिया की स्थिरता और शांति के लिए घातक होगा। उन्होंने कहा कि चीन ने यह परीक्षण उस वक्त किया है जब दक्षिण चीन सागर पर उसका कई तटीय मुल्कों से विवाद चल रहा है। इसके साथ भारत-चीन सीमा पर लगाता संघर्ष चल रहा है। ऐसे में चीन की यह चुनौती उन मुल्कों के समक्ष है, जिससे उसका सीधा विवाद है। उन्होंने कहा कि चीन अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व को कम करना चाह रहा है।

यूएस फॉरेन पॉलिसी: बाइडेन पहली बार विदेश नीति पर बोले, कहा- अमेरिका इज बैक

वाशिंगटन। 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले जो बाइडेन ने पहली बार नई विदेश नीति की तस्वीर सामने रखी। इसके लिए वे खास तौर पर स्टेट डिपार्टमेंट यानी विदेश मंत्रालय पहुंचे। भारत को लेकर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन चीन और म्यांमार के मुद्दों पर कुछ संकेत दिए।

यमन संकट पर सऊदी अरब को इशारा दिया कि वो मानवाधिकारों को लेकर सतर्क रहे। यहां जानते हैं कि किस मुद्दे पर उन्होंने क्या कहा। वहां सोशल एक्टिविस्ट एलेक्सी नेवेल्नी को इसलिए गिरफ्तार किया गया, क्योंकि वे करप्शन को उजागर कर रहे थे। हम मांग करते हैं कि नेवेल्नी को फौरन और बिना शर्त रिहा किया जाए।

म्यांमार: अमेरिका अपने सभी सहयोगियों के साथ मिलकर ये कोशिश करेगा कि म्यांमार में जल्द से जल्द लोकतंत्र की वापसी हो। कानून का शासन होना जरूरी है। ऐसा नहीं करने वालों को

नतीजे भुगतने होंगे।

चीन: अगर अमेरिका को आर्थिक नुकसान पहुंचाने की हर साजिश से निपटा जाएगा। इसके खिलाफ एक्शन की तैयारी हो चुकी है। मानवाधिकारों पर चीन की जवाबदेही तय की जाएगी। अगर अमेरिकी हित होंगे तो चीन से साझेदारी रखने को तैयार हैं।

ग्लोबल अलायंस: अमेरिका अपने पुराने दोस्तों को फिर साथ लाएगा। इसके लिए अलायंस मजबूत किए जाएंगे। दुनिया को फिर एकजुट करने की कोशिश करेंगे।

रिफ्यूजी प्रॉब्लम: खास तौर पर यह मैक्सिको बॉर्डर पर ज्यादा है। ट्रम्प के दौर में हालात बेहद खराब हो गए थे। वहां बॉर्डर वॉल बनाई जा रही थी। इसका काम फिलहाल, रोक दिया गया है।

सैन्य तैनाती की समीक्षा: अब दुनिया में अमेरिकी फौज की तैनाती का 'ग्लोबल रिव्यू' किया जाएगा। यह तय किया जाएगा कि हमारी प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए। जर्मनी से सैनिकों की वापसी नहीं होगी। यहां 4 हजार अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं।

लोकतंत्र: दुनिया के बड़े लोकतांत्रिक देशों से जल्द बातचीत की जाएगी। इन्हें एक मंच पर लाने की जरूरत है। लोकतांत्रिक देशों का महत्व कभी कम नहीं होगा।

यमन पर फोकस: सऊदी और श्व की यमन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को अमेरिका मंजूर नहीं करेगा। इन देशों को आर्म्स सप्लाई पर रोक पहले ही लगाई जा चुकी है। टिमोथी लैंडरकिंग यमन में नए एम्बेसेडर होंगे। सऊदी पहले की तरह सहयोगी बना रहेगा।

समलैंगिगता: इस बारे में सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को मेमोरेंडम जारी कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि दुनिया के हर हिस्से में स्त्नक्ष्र से जुड़े अधिकारों की हिफाजत की जाए।

क्लाइमेट : अमेरिका अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए तैयार है। हम चाहेंगे कि इस बारे में जो टारगेट दुनियाभर में तय किए गए हैं, उन्हें समय और सबूतों सहित पूरा किया जाए।

कोरोना दुनिया में: अमेरिका में दो हफ्ते में करीब 40 हजार मौतें, स्वीडन और डेनमार्क डिजिटल वैक्सीन पासपोर्ट देंगे

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 10.53 करोड़ से ज्यादा हो गया। 7 करोड़ 70 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 22 लाख 92 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं। स्वीडन और डेनमार्क ने देश में संक्रमण रोकने के लिए कई सख्त कदम उठाए थे। अब दोनों देश वैक्सीनेशन पर जोर दे रहे हैं। दोनों ही देश कुछ महीनों डिजिटल वैक्सीन पासपोर्ट जारी करेंगे।

स्वीडन और डेनमार्क का फैसला

स्वीडन और डेनमार्क डिजिटल वैक्सीन पासपोर्ट जारी करने पर विचार कर रहे हैं। इसके तहत यात्रा से पहले ये दोनों देश डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए पैसेंजर्स के बारे में यह जानकारी देंगे कि उनका वैक्सीनेशन हुआ है या नहीं। अगर हुआ है तो कब हुआ। कौन सी वैक्सीन और कितने डोज दिए गए। यह जानकारी स्वीडन के कैबिनेट मंत्री आंद्रे येमैन ने दी।

स्वीडन में करीब 6 लाख संक्रमित पाए जा चुके हैं। करीब 12 हजार की मौत हुई। करीब दो लाख लोगों को वैक्सीनेट किया

जा चुका है। वहीं, डेनमार्क के फाइनेंस मिनिस्टर ने कहा- ऑनलाइन और डिजिटल वैक्सीन पासपोर्ट से हमें यह पता लग सकेगा कि किस पैसेंजर का वैक्सीन स्टेटस क्या है। यह बेहद जरूरी है।

स्वीडन के एक एयरपोर्ट पर मौजूद महिलाएं। यहां सरकार ने डिजिटल वैक्सीन पासपोर्ट जारी करने का फैसला किया है। इसमें पैसेंजर्स के वैक्सीनेशन का स्टेटस होगा।

स्वीडन के एक एयरपोर्ट पर मौजूद महिलाएं। यहां सरकार ने डिजिटल वैक्सीन पासपोर्ट जारी करने का फैसला किया है। इसमें पैसेंजर्स के वैक्सीनेशन का स्टेटस होगा।

अमेरिका में परेशानी जारी

अमेरिका में दो हफ्ते में संक्रमण से करीब 40 हजार और लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान हर दिन औसतन 3 हजार लोगों ने जान गंवाई। 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी एक वजह लोगों को फिर लापरवाह हो जाना और एक जगह पर जुटना है। हालांकि, इसके बावजूद संक्रमण की दर कम हुई है। सुपरबाउल मुकाबलों पर कुछ शहरों में रोक लगाने पर भी विचार हो रहा है। वैक्सीनेशन की रफ्तार इस हफ्ते और तेज की जा सकती है। जॉनसन एंड जॉनसन ने अपनी सिंगल शॉट वैक्सीन के लिए मंजूरी मांगी है।

ब्राजील में फिर बढ़ी मौतें

ब्राजील सरकार के मुताबिक, यहां लगातार तीसरे दिन 1200 से ज्यादा संक्रमितों की मौत हो गई। गुरुवार को यहां 1232 और संक्रमितों ने दम तोड़ दिया। ब्राजील सरकार के लिए यह फिक्र की बात है, क्योंकि कुछ दिनों पहले यहां मरने वालों का आंकड़ा एक हजार से नीचे चला गया था। गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब 2 लाख 28 हजार 795 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

पाकिस्तान में फिर सर्जिकल स्ट्राइक: रिपोर्ट में दावा- ईरान ने पाकिस्तान में घुसकर 3 साल पहले अगवा हुए दो सैनिकों को छुड़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक और सर्जिकल स्ट्राइक की खबर सामने आई। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने 2 फरवरी की रात पाकिस्तान में दाखिल होकर इस सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया है। ईरानी जवानों ने 3 साल पहले दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन जैश-अल अदल द्वारा अगवा किए गए अपने 2 बॉर्डर गार्ड्स को छुड़ा लिया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने पाकिस्तानी फौज को इस एक्शन की पहले से कोई जानकारी नहीं दी थी। 3 फरवरी को ईरानी सैनिकों ने अपने मिशन को सक्सेसफुल बताया और जवानों को मुक्त करवाने की जानकारी भी दी। जैश-अल अदल आतंकी ग्रुप दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में एक्टिव है और माना जा रहा है कि ईरानी फौज ने इसी इलाके में सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया है।

2018 में ईरानी सैनिकों का अपहरण किया था

यह संगठन ईरान के दक्षिण-पूर्व इलाके में हमले करता रहा है। इसने फरवरी 2019 में इसी इलाके में ईरानी जवानों की बस पर हमला किया था। इस हमले में कई ईरानी सैनिक मारे गए थे और दर्जनों घायल हुए थे। अक्टूबर 2018 में इस आतंकवादी संगठन ने 14 ईरानी सैनिकों का अपहरण कर लिया था। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के मीरजावेह बॉर्डर पर इस घटना को अंजाम दिया गया था। इनमें से 5 सैनिकों को एक महीने बाद छोड़ दिया गया था। ईरान तीसरा देश है, जिसने पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक की है। ईरान से पहले अमेरिका ने 2 मई 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद में घुसकर अलकायदा सरगना लादेन को मारा था। इसके बाद भारत ने भी सितंबर 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक की थी। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा अटैक के बाद भी भारत ने इसी साल 26 फरवरी को बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी।

सीजीआई ने कहा- सीनेट चुनावों में गोपनीयता अहम, 11 फरवरी को होगा तारीखों का ऐलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस गुलजार अहमद ने कहा कि सीनेट 'गंभीर व परिपक्व मंच' है और यहां की जाने वाली कार्यवाहियों की गोपनीयता महत्वपूर्ण है। बता दें कि हाल में ही एक बैठक में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सीनेट चुनाव 'ओपन बैलेट' के जरिए कराने के लिए संविधान में संशोधन को लेकर संसद में एक विधेयक पेश करने का फैसला किया है।

सीक्रेट या ओपन वोटिंग, सुप्रीम कोर्ट करेगा फैसला

जियो न्यूज के अनुसार, चीफ जस्टिस ओपन बैलट के जरिए सीनेट चुनावों से जुड़े मामले में सुनवाई कर रहे थे। यह एक प्रक्रिया है जिसमें सीक्रेट वोटिंग की जाती है।

सुनवाई के दौरान, अटार्नी जनरल खालिद जावेद खान ने बताया कि किसी प्रांतीय असेंबली पार्टी के टिकट पर आने वालों को पार्टी पॉलिसी के अनुसार वोट देना चाहिए क्योंकि जनता के लिए राजनीतिक पार्टी जवाबदेह है। इसके जवाब में CJI ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों के भीतर भी लोकतंत्र का अभाव है पार्टी प्रमुख को तानाशाह का रवैया नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'कोर्ट को इस बारे में अपना विचार देना है कि सीक्रेट बैलट प्रक्रिया को लेकर संविधान को संशोधन की जरूरत है या नहीं।'

52 सीटों पर होना है चुनाव: दरअसल देश के 52 सीटों पर सीनेट का चुनाव होना है। इस क्रम में प्रत्यक्ष तरीके से सीनेट का चुनाव कराने पर निर्देश के लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सरकार का कहना है कि चूंकि सीनेट चुनावों में खरीद-फरोख्त के आरोप लगते हैं, इसलिए इसे पारदर्शी और सही तरीके से कराया जाना चाहिए। देश में 104 सदस्यीय सीनेट के कई सदस्यों के 11 मार्च को रिटायर होने के कारण 52 सीटों पर चुनाव होगा। सीनेट के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।

नासा का मार्स मिशन: एटमी ऊर्जा से चलने वाले रॉकेट से 3 महीने में मंगल पर पहुंच सकता है इंसान

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अब परमाणु ऊर्जा से चलने वाला रॉकेट बनाने की योजना पर काम करने वाली है। अगर यह प्रोजेक्ट सफल रहा तो धरती से करीब 23 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मंगल पर इंसान 3 महीने में पहुंच सकता है। वर्तमान में मंगल तक पहुंचने में मानवरहित रॉकेट 7 महीने का वक्त लेते हैं। नासा की योजना 2035 तक मानव को मंगल ग्रह पर पहुंचाने की है। नासा की सबसे बड़ी चिंता रॉकेट की रफ्तार को लेकर है। अगर इंसान इतनी दूरी तय करता हैं तो ऑक्सीजन की कमी सबसे बड़ी परेशानी खड़ी करेगी। वहीं, मंगल ग्रह आर्कटिक से भी ज्यादा ठंडा है। ऐसे में कम ऑक्सीजन के साथ जाना खतरे से खाली नहीं है। इसलिए यात्रा के समय को कम करने पर नासा के वैज्ञानिक काम कर रहे हैं।

परमाणु शक्ति वाले रॉकेट की डिजाइन तैयार

अमेरिका के सिएटल स्थित कंपनी अल्ट्रा सेफ न्यूक्लियर टेक्नोलॉजीज ने नासा को न्यूक्लियर थर्मल प्रोपल्शन इंजन बनाने का प्रस्ताव दिया है। कंपनी ने परमाणु शक्ति वाले रॉकेट को डिजाइन भी कर लिया है। नासा का लक्ष्य यात्रा को 5 से 9 महीने तक पूरा करने का है, लेकिन NTP इंजन की सुरक्षा को लेकर अभी कई सवाल हैं।

हालांकि, SNC-Tech इसे सुरक्षित बता रही है। SNC-Tech के डायरेक्टर माइकल ईड्स के मुताबिक, रॉकेट को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह इंजन और क्रू एरिया के बीच हानिकारक तरल पदार्थों को

इकट्ठा कर लेगा और रेडियो एक्टिव कणों को चालक दल के संपर्क में आने से रोक देगा। इससे विकिरण से संपर्क नहीं होगा और सुरक्षा बनी रहेगी।

परमाणु रॉकेट इंजन का निर्माण काफी जटिल

नासा के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी मिशन निदेशालय के चीफ इंजीनियर जेफ शेय ने CNN को बताया कि परमाणु रॉकेट इंजन की निर्माण की तकनीकी काफी जटिल है। इंजन के निर्माण के लिए मुख्य चुनौतियों में से एक यूरेनियम ईंधन है। यह यूरेनियम परमाणु थर्मल इंजन के अंदर उच्च तापमान बनाएंगे। वहीं, SNC-Tech का दावा है कि इस समस्या को हल करने के लिए एक ऐसा इंधन विकसित किया जा सकता है जो 2,700 डिग्री केल्विन (4,400 डिग्री फॉरेनहाइट) तक के तापमान में काम कर सके।

इस ईंधन में सिलिकॉन कार्बाइड होता जो टैंक के कवच में भी सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे इंजन से रेडिएशन बाहर नहीं निकलेगा और अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रहेंगे।

फिनलैंड में अनोखी पहल: बर्फबारी में आवाजाही के लिए साइकिल शेयरिंग की तरह स्की-शेयरिंग सेवा शुरू

फिनलैंड। दुनिया के खुशहाल देशों में शुमार फिनलैंड में भारी बर्फबारी से लोगों को काम पर जाने असुविधा हो रही है। इसे देखते हुए अनोखी पहल की गई है। समाधान लहती शहर ने ढूंढा है। 'स्की शेयरिंग सेवा' के जरिए। स्की, बर्फ पर चलने वाला उपकरण। लहती में इस सेवा के तहत इसे लोग साइकिल की तरह घर के नजदीकी स्टैंड से उठाते हैं। उससे दफ्तर पहुंचते हैं और वहीं पास के स्टैंड पर छोड़ देते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो दुनिया में इस तरह का यह पहला प्रयोग है।

लोगों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा

इससे बर्फ में रेंग-रेंगकर चलने वाले वाहनों से मुक्ति मिलेगी। परियोजना की मैनेजर एना हटन ने बताया, 'हम कुछ

नया करना चाहते थे। इसलिए शहर में एक से दूसरी जगह जाने के लिए टिकाऊ साधन पर काम किया। नतीजे में यह आइडिया सामने आया।

स्की के माध्यम से सफर करते हुए लोगों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। साथ में बर्फबारी के दौरान सस्ती और टिकाऊ सेवा भी मिलेगी।

स्की सुविधा फिलहाल अस्थाई

इससे हमें दो मोर्चो पर राहत मिलेगी। पहली यातायात में आसानी और दूसरी कार्बन उत्सर्जन कम से करने की दिशा में कामयाबी। जानकारी के मुताबिक, स्की सुविधा फिलहाल अस्थाई है। लेकिन तथ्य ये भी है कि ऐसे ही तमाम प्रयोगों के कारण लहती को पिछले साल यूरोप की 'ग्रीन कैपिटल ऑफ द ईयर' (ऐसा शहर जहां वातावरण में जहरीली गैसें सबसे कम हैं) का सम्मान मिला था। साल 2025 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना लहती शहर के प्राथमिक लक्ष्यों में शामिल है।

लोगों से कार न चलाने की अपील

राजधानी हेलसिंकी के आधा घंटे की दूरी पर मौजूद इस उपनगर में इस सेवा का फायदा उठाने के लिए लोग अब स्कीइंग का अभ्यास भी कर रहे हैं। शहर के अधिकारियों का कहना है, 'इस सेवा के बाद हम चाहेंगे कि लोग बर्फबारी के दौर में घर से कार न निकालें। स्कीइंग भी साइकिलिंग जितनी ही आसान है। थोड़े से अभ्यास के बाद दफ्तर पहुंचने का ये रोमांचकारी साधन बन सकता है।

जॉनसन एंड जॉनसन ने अमेरिका से अपनी कोरोना वैक्सीन के आपात इस्तेमाल की मांगी मंजूरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन ने अपनी सिंगल डोज कोरोना वैक्सीन के आपात इस्तेमाल के लिए अमेरिकी दवा नियामक फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से अनुमति मांगी है। कंपनी आने वाले हफ्तों में यूरोपीय अधिकारियों से इसके लिए अनुमति मांगेगी। कंपनी ने खुद इसकी जानकारी दी है। 29 जनवरी को जारी रिपोर्ट के अनुसार वैक्सीन संक्रमण को रोकने में 66 फीसद कारगर है। बता दें कि अमेरिका में कोरोना टीकाकरण का काम जारी है। देश पहले ही दो वैक्सीन फाइजर बायोएनटेक और मॉडर्ना को आपात इस्तेमाल के मंजूरी दे चुकी है, जिनके इस्तेमाल से टीकाकरण हो रहा है। जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल-शॉट वैक्सीन को अगर अनुमति मिलती है, तो इससे आपूर्ति को बढ़ाने और अमेरिका के टीकाकरण अभियान को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। वर्तमान में इस्तेमाल हो रहीं फाइजर और मॉडर्ना की निश्चित समय में वैक्सीन की दो खुराक लेने की आवश्यकता है। इसके विपरीत जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन सिंगल शॉट वैक्सीन है। इसका मतलब है कि इस वैक्सीन का केवल एक ही खुराक लेने की आवश्यकता है। इसके अलावा इसे रखने के लिए अत्यधिक ठंडे फ्रीजर की भी व्यवस्था की जरूरत नहीं है। कंपनी के आवेदन के बाद, नियामकों को डेटा का विश्लेषण करने के लिए कुछ समय की आवश्यकता होगी।

दिल्ली में फिर ठिठुरन बढ़ी, उत्तर भारत के कई राज्यों में हिमपात

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर भारत के अनेक राज्यों में ताजा बर्फबारी से मैदानी भागों में शीतलहर का नया दौर चल पड़ा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इससे सटे शहरों में कई जगहों पर बारिश होने से तापमान में काफी कमी आ गई है। दिल्ली में बीते 2-3 दिनों से तापमान में वृद्धि हो रही थी लेकिन ताजा हिमपात और वर्षा से तापमान में काफी कमी आ गई है। स्काइमेट से प्राप्त समाचार के अनुसार दिल्ली में बीते 2-3 दिनों से तापमान में वृद्धि हो रही थी। बारिश वाले दिन न्यूनतम यानी बीते दिनों न्यूनतम तापमान सफदरजंग में 12.4 डिग्री था, जो गिरकर 6.8 डिग्री पहुंच गया। इसी तरह पालम में 4 फरवरी को 14.4 और 5 फरवरी को 8.9 डिग्री पारा रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह लोधी रोड पर भी तापमान में 6 डिग्री की बड़ी गिरावट हुई और पारा 6.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। उत्तर भारत के मैदानी राज्यों पर बना चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र पूर्वी दिशा में निकाल गया है।

इस सिस्टम के आगे जाने के बाद अब बारिश की गतिविधियां बंद हो गई हैं और हवाओं का रुख बदलने लगा है। उत्तर-पश्चिमी हवाएं दिल्ली-एनसीआर पर फिर से अपना असर दिखाएंगी। इन हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी और सुबह तथा रात की सर्दी लौट आएगी। सप्ताह के आखिर में यानी 6 और 7 फरवरी को दिन में खिली धूप रहेगी जिससे दिन तो खुशनुमा होगा लेकिन सुबह और रात में सर्दी से आपको बचना होगा। इन दिनों में जहां न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के आसपास रहेगा वहीं अधिकतम तापमान 25 डिग्री के स्तर पर पहुंच जाएगा। उत्तर भारत में एक साथ कई मौसमी सिस्टम सक्रिय हुए हैं जिसके चलते पहाड़ों पर जम्मू-कश्मीर से लेकर लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश की गतिविधियां शुरू हो गई हैं। बारिश में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है। वर्तमान मौसमी स्थितियों को देखते हुए स्काईमेट का आकलन है कि अगले 48 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर से लेकर गिलगित बालटिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और हिमपात होगा। पिछले 24 घंटों की अवधि में जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में 14 मिलीमीटर की वर्षा और बर्फबारी हुई। श्रीनगर में 1 मिलीमीटर और काजीगुंड में 0.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसी दौरान पंजाब के अमृतसर में भी 2 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। हरियाणा के तराई क्षेत्रों में कुछ जगहों पर गरज के साथ बूंदाबांदी की गतिविधियां देखने को मिलीं।

अगले 48 घंटों के मौसम के बारे में अनुमान है कि पंजाब और हरियाणा के तराई क्षेत्र में कई जगहों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। बारिश के साथ बादलों की गर्जना होने तथा हवाएं चलने की भी आशंका है जबकि उत्तरप्रदेश के पूर्वी भागों में 5 और 6 फरवरी को बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

राजस्थान के उत्तर-पूर्वी भागों में वर्षा की संभावना है। फिलहाल राजस्थान बारिश से ज्यादा प्रभावित नहीं होगा। मौसम में आए बदलाव से उत्तर भारत के पर्वतीय और मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान ऊपर पहुंच गया है जिसके चलते शीतलहर का प्रकोप फिलहाल खत्म हो गया है और लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिल गई है। हालांकि मौसमी हलचल उत्तर भारत से जैसे ही समाप्त होगी उम्मीद है कि 5 और 6 फरवरी से उत्तरी और पश्चिमी ठंडी हवाएं चलनी शुरू होंगी जिससे लोगों को सर्दी की वापसी का एहसास होगा। हालांकि अब तापमान 4-5 डिग्री के स्तर पर नहीं जाएगा जिससे भीषण शीतलहर जैसे हालात पैदा की आशंका खत्म हो गई है।

एक्सप्रेस-वे पर चक्काजाम, ट्रैक्टरों पर तिरंगा और स्पीकर से बजते लोकगीत...

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

तीन नए कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए शनिवार को किसानों के तीन घंटे के राष्ट्रव्यापी 'चक्का जाम' के दौरान केएमपी एक्सप्रेस-वे पर स्पीकरों पर बजते प्रदर्शन के देहाती गाने, ट्रकों और ट्रैक्टरों पर लगे तिरंगे और इंतजार में खड़े राहगीर नजर आए। केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाले किसान संगठनों ने आज दोपहर 12 बजे से लेकर अपराह्न तीन बजे तक 'चक्का जाम' का आह्वान किया था। इस प्रदर्शन में पहुंचे एक स्थानीय किसान ने कहा कि मैं 11 बजे यहां आया था तब महज कुछ लोग थे और कुछ ही देर में भीड़ बहुत बढ़ गई। उद्देश्य शांतिपूर्ण ढंग से वह काम करना है जो हमारे नेताओं ने हमें निर्देश दिया है- यानी तीन बजे तक सड़क जाम करनी है। सड़क पर बैठे प्रदर्शनकारी किसानों को बिस्किट और फल वितरित किए गए। वाहन चालकों को नम्रतापूर्वक प्रदर्शन के बारे में बताया गया और उनसे लौट जाने का अनुरोध किया गया। हरियाणा के हिसार निवासी अजीत अहलूवालिया (29) ने कहा कि लोगों के लिए हम असुविधा पैदा नहीं करना चाहते। अहलूवालिया ने कहा कि इसी वजह से केवल तीन घंटे के

लिए आह्वान दिया गया था। सुरक्षाबल हमारा और उनका रास्ता कई दिनों से रोक रहे हैं। हम आशा करते हैं कि आम लोग महज कुछ घंटे के लिए हमारे साथ सहयोग करें। सच्चाई यह है कि वे ऐसा कर रहे हैं। बीमार लोगों को लेकर जा रहे वाहनों को बिना किसी देरी के जाने दिया गया।उल्लेखनीय है कि 136 किलोमीटर लंबे कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे या पश्चिमी परिगामी एक्सप्रेस-वे का 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया था। इसे दिल्ली में प्रवेश करने वाले ट्रकों की संख्या घटाकर यहां व्यस्त सड़कों पर भीड़ कम करने के लिए बनाया गया है। इससे प्रदूषण में कमी लाने में भी मदद मिलती है। यह उत्तरी हरियाणा और दक्षिणी जिलों के बीच उच्च गति का संपर्क प्रदान करता है और इससे हरियाणा एवं पड़ोसी राज्यों के बीच खासकर वाणिज्यिक यातायात की रफ्तार बढ़ जाती है।

धैर्य के साथ इंतजार कर रहे यात्रियों ने कहा कि उन्हें 'चक्का जाम' की जानकारी थी, लेकिन सामाजिक एवं पेशेवर कार्यक्रमों के चलते उन्हें निकलना पड़ा। निजी ठेकेदार सतनाम संधू (42) को किसी व्यापारिक बैठक में जाना था जबकि सोनू आहूजा एवं उनके परिवार के लोग अपने एक रिश्तेदार की शादी में जा रहे थे।

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहा है हिमालय क्षेत्र में पौधों का जीवन-चक्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

पेड़-पौधों के जीवन-चक्र पर जलवायु परिवर्तन का व्यापक असर पड़ रहा है। पता चला है कि जलवायु परिवर्तन, हिमालय क्षेत्र के पेड़-पौधों पर फूल और फल आने के चक्र को भी प्रभावित कर रहा है। ऊपरी हिमालय क्षेत्र में पेड़-पौधों पर जलवायु परिवर्तन एवं मौसमी घटनाओं के प्रभाव के आकलन के लिए किए गए नये अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। इस अध्ययन में कुछ स्थानीय वनस्पतियों में सामान्य से तीन-चार महीने पहले फूल और फल आने की घटनाएं देखी गई हैं। उत्तराखंड वन विभाग द्वाराराज्य के पिथौरागढ़ जिले के सीमांत क्षेत्र मुनस्यारी में किए गए इस अध्ययन में चार स्थानीय पौधों के जीवन-चक्र में इस तरह के बदलाव दर्ज किए गए हैं। जिन चार वनस्पतियों के पुष्पन एवं फलन पर ये बदलाव देखे गए हैं, उनमें सुन्दर फूलों वाला उत्तराखंड का राज्य वृक्ष बुरांस (रोडोडेंड्रॉन), काफल (मिरिका एस्कुलेंटा),हिसालू (रूबस इलिप्टिकस) और हिमालयन चेरी (प्रुनस सेरासोइड्स) शामिल हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि पेड़-पौधों की इन प्रजातियों में फूल और फल आने का सामान्य समय बसंत या ग्रीष्म ऋतु होती है। लेकिन, इस वर्ष इन पेड़-पौधों में फूल एवं फल आने की प्रक्रिया जनवरी के अंत में देखी गई है। रोडोडेंड्रोन, जिसे स्थानीय तौर पर बुरांस कहते हैं, में फूल आमतौर पर मार्च से मई के महीनों में लगते हैं। पर, इस अध्ययन के दौरान बुरांस में जनवरी में ही फूल खिलते देखे गए हैं। इसी तरह, अप्रैल से जून के अंत तक लगने वाले काफल जनवरी के महीने में ही लग गए हैं। चीफकन्जर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स (रिसर्च) संजीव चतुर्वेदी ने पौधों में समय से पहले फूल और फल आने के पीछेजलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा है कि पेड़-पौधों पर फूल और फल आने के चक्र में बदलाव ऊपरी हिमालयी क्षेत्र के गर्म होने के कारण हो रहा है ।मुनस्यारी अपनी बर्फीली सर्दियों के लिए जाना जाता है। इसीलिए, इन परिवर्तनों को जलवायु परिवर्तन के संकेतक के रूप में देखा जा रहा है।

महिला का बढ़ा सम्मान, कोबरा में मिला स्थान

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने अपनी प्रथम महिला वाहिनी '88' के स्थापना दिवस पर महिला सशक्तीकरण के प्रति अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए नक्सल विरोधी अपने विशेष बल 'कोबरा' में महिला कर्मिकों की तैनाती को स्वीकृति प्रदान की है। सीआरपीएफ के महानिदेशक डॉ. एपी माहेश्वरी ने शनिवार को कहा कि बल में महिला योद्धाओं का सशक्त एवं सुनहरा इतिहास है जिन्होंने न केवल भारत में बल्कि संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न शांति अभियानों में भाग लेकर विदेशी धरती पर अपना लोहा मनवाकर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर महिलाओं का बल में होना बल में विविधता लाता है वहीं दूसरी ओर सशक्त नारी के द्वारा ही सशक्त परिवार की उत्पत्ति होती है जिससे सशक्त राष्ट्र बनता है। डॉ. माहेश्वरी के अनुसार प्रथम संपूर्ण महिला ब्रास बैंड गठित कर सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उनकी भूमिका बढ़ाई जा रही है। सभी 06 महिला बटालियनों की 34 महिला कार्मिक आज 'कोबरा' में सम्मिलित हो रहीं हैं जिनको 03 माह की कड़ी कोबरा प्री-इन्डक्शन ट्रेनिंग दी जाएगी। इस प्रशिक्षण में इन्हें विशेष हथियारों को चलाने, सामरिक योजना बनाने, फील्ड् क्राफ्ट्स, विस्फोटकों को जानने, जंगल में जीवित रहने की कला आदि सिखाई जाएगी।

प्रेरणा स्रोत बनेगा जनरल थिमय्या मेमोरियल संग्रहालय : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कर्नाटक के कोडागु जिले में स्थित मादिकेरी में जनरल थिमय्या मेमोरियल संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह हमारे युवाओं को जनरल थिमय्या की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा। राष्ट्रपति ने अपने कर्नाटक प्रवास के दौरान मादिकेरी का भ्रमण किया। यहां पर जनरल थिमय्या के पुश्तैनी घर सनी साइड को पुनर्निर्मित कर एक संग्रहालय का रूप दे दिया गया है। संग्रहालय में हथियारों, सैन्य वर्दी और एक लड़ाकू जेट के अलावा प्रवेश द्वार पर एक युद्धक टैंक सहित स्मृति चिह्न दिखाए गए हैं। जनरल थिमय्या संग्रहालय के उद्घाटन पर प्रसन्नता

व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इसमें असाधारण चरित्र और हमारी सेना के इतिहास में सबसे बेहतरीन सैनिकों में से एक के योगदान के विशेष पहलुओं को संरक्षित किया है। उन्होंने कहा कि किसी समय जनरल थिमय्या का निवास स्थान रहा सनी साइड अब हमारे बहादुर बलों की विशेषताओं को उजागर करता है। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि कोडागु जिले को जनरल थिमय्या और फील्ड मार्शल करिअप्पा जैसे दिग्गजों के साथ हमारे सशस्त्र बलों को समृद्ध करने का सम्मान प्राप्त है। उन्होंने विश्वास व्यकत करते हुए कहा कि यह संग्रहालय हमारे युवाओं को जनरल थिमय्या की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, कुछ घंटे 10 मेट्रो स्टेशन बंद रखे गये

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

प्रदर्शनकारी किसानों ने शनिवार दोपहर तीन घंटे का देशव्यापी चक्का जाम किया। हालांकि, संयुक्त किसान मोर्चा ने राष्ट्रीय राजधानी को इससे बाहर रखने की घोषणा की गई थी, लेकिन प्रशासन ने यहां सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गए थे। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली मेट्रो के 10 स्टेशनों पर प्रवेश एवं निकास बंद रखे गये। इसके अलावा, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिये दिल्ली पुलिस के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों और अन्य बलों की भी तैनाती की गई थी। प्रदर्शन स्थलों पर नजर रखने के लिये दिल्ली पुलिस ने ड्रोन नयी दिल्ली, छह फरवरी (भाषा) प्रदर्शनकारी किसानों ने शनिवार दोपहर तीन घंटे का देशव्यापी चक्का जाम किया। हालांकि, संयुक्त किसान मोर्चा ने राष्ट्रीय राजधानी को इससे बाहर रखने की घोषणा की गई थी, लेकिन प्रशासन ने यहां सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गए थे। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली मेट्रो के 10 स्टेशनों पर प्रवेश एवं निकास बंद रखे गये। इसके अलावा, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिये दिल्ली पुलिस के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों और अन्य बलों की भी तैनाती की गई थी। प्रदर्शन स्थलों पर नजर रखने के लिये दिल्ली पुलिस ने ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया। मंडी हाउस और आईटीओ समेत दिल्ली मेट्रो के 10 स्टेशनों को दोपहर 12 बजे से अपराह्न तीन बजे तक चक्का जाम के दौरान बंद रखा गया और प्रदर्शन खत्म होने के बाद खोला गया। किसानों के चक्का जाम के आह्वान के समर्थन में कथित रूप से प्रदर्शन करने को लेकर शनिवार को मध्य दिल्ली के शहीदी पार्क के पास 50 व्यक्तियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। केंद्र के नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों के समूह संयुक्त किसान मोर्चा ने शुक्रवार को कहा कि चक्का जाम के दौरान प्रदर्शनकारी दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में सड़कों को अवरुद्ध नहीं करेंगे। मोर्चा ने साथ ही यह भी कहा था कि प्रदर्शनकारी देश में दोपहर 12 बजे से अपराह्न तीन बजे के बीच तीन घंटे के लिए राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को अवरुद्ध करेंगे लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से। गणतंत्र दिवस के दिन 'ट्रैक्टर परेड' के दौरान हुई हिंसा में 500 पुलिसकर्मियों के घायल होने और एक प्रदर्शनकारी की मौत के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने इस बार सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय किये थे और सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही शहर के अंदर और शहर की सीमा पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। गणतंत्र दिवस के दिन प्रदर्शनकारी किसानों द्वारा आयोजित 'ट्रैक्टर परेड' के दौरान बड़े पैमाने पर हुई हिंसा के गवाह रहे लाल किले और आईटीओ समेत राष्ट्रीय राजधानी के सभी अहम क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। बहुस्तरीय बैरीकेड, कंटीले तार और प्रदर्शन स्थल पर सड़क पर कील लगाकर पुलिस की तरफ से ऐहतियाती उपाय किये गए थे। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस सोशल मीडिया पर भी निगरानी कर रही थी जिससे अफवाह कि सभी 10 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार फिर से खोल दिए गए हैं और सामान्य सेवा को फिर से शुरू कर दिया गया है। उसने ट्वीट किया, सभी स्टेशनों के प्रवेश/निकास द्वार खुले हैं। सामान्य चौकियों और सीमाओं के सभी प्रवेश और निकास बिन्दुओं पर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। अतिरिक्त बसें पहले ही लगाई जा चुकी हैं और शहर में चौकियों पर अतिरिक्त अवरोधक लगाए गए थे।

पॉप सिंगर रिहाना व ग्रेटा थनबर्ग के खिलाफ यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली । कृषि कानून विरोधी आंदोलन की पूरी हकीकत जाने बिना इसकी आड़ में दुष्प्रचार करने वाली विदेशी हस्तियों के खिलाफ यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने मोर्चा खोल दिया है। भारत के अंदुरुनी मामलों में हस्तक्षेप के विरोध में पॉप सिंगर रिहाना, पर्यावरण एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग और अन्य सेलिब्रेटियों के विरोध में जंतर मंतर पर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इन लोगों के खिलाफ नारेबाजी की और भारत के आंतरिक मामले में दखल देने का विरोध किया।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पॉप सिंगर रिहाना, पर्यावरण एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग की तस्वीरों को आग के हवाले कर दिया। इन कहना है कि है कि विदेशी हस्तियों का हस्तक्षेप बर्दाश्त नही है।

उधर, दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने ग्रेटा थनबर्ग के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज किया है। थनबर्ग के खिलाफ दंगा करने के लिए भड़काने और आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। ग्रेटा थुनबर्ग ने किसान आंदोलन को लेकर भड़काऊ ट्वीट किया था। इसने ट्वीट में कुछ डॉक्यूमेंट अप लोड किया था, जिसमे इंटर नेशनल साजिश की बात थी। लोगो को कहा गया था कि आपको किसानों के लिए क्या-क्या लिख कर ट्वीट करना है। हालांकि बाद में इसने ट्वीट को डिलीट भी कर दिया था।

बता दें कि मंगलवार रात पॉप सिंगर रिहाना ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चल रहे आंदोलन पर एक खबर टैग करते हुए ट्विटर पर लिखा कि हम इस पर क्यों नहीं बात कर रहे हैं। इसके कुछ देर बाद स्वीडिश नागरिक ग्रेटा थनबर्ग ने लिखा कि मैं भारत में चल रहे किसान आंदोलन का समर्थन करती हूं। इन दोनों के बाद कुछ और हस्तियों ने भी समर्थन में बयान दिए थे। ग्रेटा थनबर्ग और पॉप सिंगर रिहाना के विवादित ट्वीट पर भारत सरकार और देश की जानी-मानी हस्तियों ने नाराजगी जताई और उन्हें ट्वीट कर करारा जवाब भी दिया था। लता मंगेशकर, सचिन तेंदुलकर, गौतम गंभीर, अक्षय कुमार, अजय देवगन, सुनील शेट्टी और कंगना रनोट ने ट्वीट कर विदेशी हस्तियों के भारत में दखल देने पर आपत्ति जताई।

दिल्ली में अब तक एक लाख से अधिक लोगों को टीका लगाया गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

दिल्ली में कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत लोगों को टीका लगाने का आंकड़ा शनिवार को एक लाख से अधिक हो गया जिनमें अधिकतर स्वास्थ्यकर्मी हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली में शुक्रवार को 9,200 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों को कोविड-19 टीका लगाया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अब तक एक लाख से अधिक लोगों को कोविड-19 टीका लगाया जा चुका है। अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों के टीकाकरण की भी शुरूआत की गई है। अधिकारियों ने कहा कि विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी आगे आए और उन्होंने टीका लगवाकर उदाहरण पेश किया। साथ नयी दिल्ली, छह फरवरी (भाषा) दिल्ली में कोविड-19 टीकाकरण अभियान के 19 के टीके लगाए गए थे। सूत्रों ने बताया था कि अब अग्रिम मोर्चे के कर्मियों के लिए भी शनिवार से टीकाकरण शुरू हो जाएगा। उनमें पुलिस, नागरिक सुरक्षा कर्मी, जल बोर्ड और बिजली विभाग के कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि साथ ही, अब सप्ताह में छह दिन यानी सोमवार से लेकर शनिवार तक टीकाकरण कार्यक्रम चल रहा है, जबकि पहले सिर्फ चार दिन-सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को ही टीके लगाए जाते थे। टीकाकरण अभियान 16 जनवरी से शुरू होने के बाद अभियान की गति बीच में धीमी पड़ गई थी, लेकिन पिछले कई दिनों से रफ्तार बढ़ रही है। अधिकारियों ने कहा कि पांच फरवरी को टीकाकरण की लक्षित संख्या 18,400 थी, लेकिन 9216 लोगों को ही टीके लगाए गए, जो लक्षित संख्या का करीब 50 प्रतिशत है।

पूरे देश में एक मॉडल के तौर पर जानी जाएगी दिल्ली की नई पॉलिसी

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार एक महत्वाकांक्षी आबकारी नीति लाने जा रही है। यह नीति पूरे भारत में एक मॉडल के तौर पर जानी जाएगी। इस पॉलिसी को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। दिल्ली कैबिनेट ने इस नई आबकारी नीति के लिए शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता में एक मंत्री समूह के गठन को मंजूरी दी है।

दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति से करदाताओं और व्यापार क्षेत्र में भी पारदर्शिता आएगी और लोगों को कारोबार करने में आसानी होगी। साथ ही इससे दिल्ली सरकार के सरकारी राजस्व में भी वृद्धि होगी।

दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन और कानून मंत्री कैलाश गहलोत इस मंत्री समूह के सदस्य बनाए गए हैं। यह मंत्री समूह उत्पाद शुल्क प्रशासन की वर्तमान प्रणाली के सभी पहलुओं, विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और स्टेक होल्डर्स, आम जनता से प्राप्त सुझावों, फीडबैक और टिप्पणियों की जांच करेगा और कैबिनेट को सुझाव देगा।

अधिकारी ने बताया कि दिल्ली शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले में एक मॉडल राज्य है। इसी तर्ज पर सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार देश के बाकी राज्यों के लिए आबकारी नीति को भी एक मॉडल बनाने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि 2020 की अंतिम तिमाही में दिल्ली सरकार ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था।

समिति ने राज्य उत्पाद शुल्क, राजस्व में वृद्धि, शराब मूल्य निर्धारण तंत्र को सरल बनाने, शराब के कारोबार में गड़बड़ी रोकने, समान रूप से आपूर्ति सुनिश्चित करने संबंधी सुझाव दिये थे। इसके अलावा सरकार ने पारदर्शिता के तहत स्टेक होल्डर्स और आम जनता से भी सुझाव मांगे थे। सरकार को 14,000 से अधिक सुझाव और टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं। बता दें कि दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार नई आबकारी नीति पर लंबे समय से काम कर रही है।

सुरक्षाकर्मियों के लिए लगी डीटीसी बसें हटाने का भाजपा ने किया विरोध

नई दिल्ली । कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे प्रदर्शन की वजह से राजधानी की सीमाओं पर तैनात सुरक्षाकर्मियों के लिए उपलब्ध कराई गई दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसें हटाने का भाजपा ने विरोध किया है। भाजपा सांसदों व विधायकों ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली व देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने सरकार से अपना फैसला वापस लेने और तुरंत सुरक्षाकर्मियों के लिए बसें उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि सरकार का फैसला दिल्ली पुलिस व सुरक्षाबलों का अपमान है। सरकार के उपद्रवियों के साथ खड़े होने से स्पष्ट हो गया है कि इसे दिल्लीवासियों की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है। सांसद मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली सरकार के फैसले को देश के संघीय ढांचे के साथ खिलवाड़ है। वह प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम राष्ट्र और समाज विरोधी ताकतों को बढ़ावा देने वाला है। गणतंत्र दिवस पर जिस तरह की हिंसा हुई, उसे देखते हुए दिल्ली सरकार का फर्ज था कि वह दिल्ली पुलिस के साथ हुए बस समझौते का पालन करती। उन्होंने कहा कि पंजाब में राजनीतिक विस्तार की मंशा से यह कदम उठाया गया है। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि सरकार का यह फैसला उपद्रवियों के हित में है। मुख्यमंत्री को पंजाब में राजनीतिक विस्तार की चिंता करने के बजाय दिल्लीवासियों की सुरक्षा के लिए काम करना चाहिए।

संपादकीय

हिंसा पर लगाम

हिंसक विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के खिलाफ जारी बिहार सरकार के नए दिशा-निर्देश की चर्चा न केवल महत्वपूर्ण, बल्कि विचारणीय भी है। बिहार सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश में कहा गया है कि अगर कोई हिंसक विरोध प्रदर्शन में भाग लेता है, तो वह सरकारी नौकरी और अनुबंध के लिए पात्र नहीं होगा। आदेश में कहा गया है कि पुलिस एक व्यक्ति के आचरण प्रमाण पत्र में उसके ऐसे अपराध को सूचीबद्ध कर सकती है। सरकार के इस निर्देश से युवाओं को संदेश देने की कोशिश है कि वे किसी तरह के विरोध प्रदर्शन में उलझकर किसी भी आपराधिक कृत्य में शामिल न हों। इसमें कोई शक नहीं कि सरकार का यह फैसला बहुत कड़ा है और युवाओं की ऊर्जावान अभिव्यक्ति को भी बाधित कर सकता है। अनेक बार किसी सामान्य मांग के लिए होने वाले धरना-प्रदर्शन को भी अचानक उग्र होते देखा गया है। किसी भी आंदोलन में तरह-तरह के लोग आ शामिल होते हैं और उसमें शामिल होने से पहले हर एक का चरित्र सत्यापन कठिन है, लेकिन जब मुकदमे दर्ज होते हैं, तब पूरे समूह का नाम दर्ज कराने की कोशिश आम है। इस निर्देश पर चिंता यहीं शुरू होती है। बिहार सरकार द्वारा जारी निर्देश में पूरी कड़ाई से कहा गया है कि हिंसा करने वाले लोगों को गंभीर परिणामों के लिए तैयार रहना होगा, इस निर्देश के विरोध की मूल वजह भी यही है। वैसे किसी अपराधी या आपराधिक कृत्य करने वालों को सरकारी नौकरी में आने से रोकने के लिए पहले से ही व्यवस्था है, पर पहली बार विरोध प्रदर्शन में होने वाली हिंसा को निशाना बनाया गया है। आम तौर पर हमने विरोध प्रदर्शन के दौरान होने वार्ली हंसा को राजनीतिक स्तर पर माफ होते देखा है। एक परंपरा-सी बन गई है। दिल्ली के किसान आंदोलन में भी हम देख रहे हैं कि किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग हो रही है। इसमें एक पक्ष यह भी है कि पुलिस ने मनमाने ढंग से मामले दर्ज किए हैं। देश गवाह है, संपूर्ण क्रांति से उपजे अनेक नेताओं को हमने प्रदेश-देश में उच्च पदों पर जाते देखा है। कहीं ऐसा तो नहीं कि हिंसक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के बाद राजनीति में जाना तो संभव है, पर सरकारी नौकरी मिलना असंभव? इस दिशा-निर्देश की भावना भले गलत न हो, लेकिन इसे लागू करने वाली एजेंसी की जमीनी निष्पक्षता, क्षमता और पारदर्शिता पर गौर कर लेना चाहिए। यह कोई नहीं चाहेगा कि कोई हिंसक तत्व सरकारी नौकरी में आए, लेकिन हर कोई यह जरूर चाहेगा कि इस निर्देश का किसी भी युवा के खिलाफ दुरुपयोग न हो। समाज में बढ़ती हिंसा चिंता का कारण है, लेकिन उसे रोकने के लिए अन्य उपाय ज्यादा जरूरी हैं। सरकारी नौकरियों का बहुत आकर्षण है, लेकिन बमुश्किल दो से तीन प्रतिशत युवाओं को ही यह नसीब होती है। ऐसे में, अगर समाज में बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है, तो निस्संदेह अपर्याप्त है। बिहार जैसे राज्यों में सबसे पहले राजनीति में बढ़ती हिंसा को रोकना होगा। पुलिस को न्यायपूर्ण और संवेदनशील बनाकर समाज के आपराधिक तत्वों को काबू में करना होगा, सामाजिक संगठनों को भी हिंसा के खिलाफ सशक्त और सक्रिय करना होगा। साथ ही, शासन-प्रशासन से यह उम्मीद गलत नहीं कि राज्य में किसी हिंसक विरोध प्रदर्शन की नौबत ही न आने पाए।

महापंचायत से हुंकार

हरियाणा के जींद में आयोजित महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत की हुंकार बहुत कुछ कहते हैं। 50 से ज्यादा खापों की इस महापंचायत में एक बार फिर कृषि कानूनों की वापसी से कम कुछ भी मंजूर नहीं का आह्वान किया गया। कंड़ेली गांव में हुई महापंचायत में पांच प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें से चार पर किसान संगठन शुरुआत से ही आंदोलन कर रहे हैं। मगर एक प्रस्ताव 26 जनवरी के दिन हुई हिंसा के बाद सतह पर आया है। पांचवे प्रस्ताव में यह कहा गया है कि 26 जनवरी को पकड़े गए किसानों को रिहा किया जाए और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिये जाएं। साथ ही दिल्ली पुलिस द्वारा जब्त ट्रैक्टरों को छोड़ा जाए। मगर जो बात कंड़ेली के मंच से कही गई, वह थी गद्दी वापसी के मामले पर आगे की लड़ाई लड़ने की। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत को खापों का समर्थन मिलना स्वाभाविक रूप से आंदोलन को ने केवल मजबूत कर गया बल्कि खापों की एकजुटता में भी मददगार बना है। हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश व राजस्थान के विभिन्न खापों का किसानों का समर्थन करने से निश्चित तौर पर सियासी उठापटक भी तेज होगी। अभी तक खापों की भूमिका बेहद सीमित या नहीं के बराबर थी। अब जबकि विभिन्न खाप सीधे तौर पर आंदोलन के साथ आ गई हैं तो यह समझने में परेशानी नहीं होनी चाहिए कि इसके राजनीतिक प्रतिफल क्या होंगे? गरीबों की बात कहकर, सरकार की जिद और किसानों पर अत्याचार की भावनात्मक बातें कहकर टिकैत ने एक तरह से सरकार को सवालों के घेरे में ला दिया है। आंदोलन को खत्म करने के सरकार के सख्त प्रयासों पर भी टिकैत की कड़ी आपत्ति उनका मनोबल बताने के लिए काफी है। खासतौर पर गद्दी वापसी की बात कहकर एक तरह से टिकैत ने खुलेआम सरकार को चेतावनी दे ड़ाली कि किसानों की मांगों को मानना ही सरकार के लिए एकमात्र विकल्प है। आंदोलन अक्टूबर तक जारी रखने की बात कहकर टिकैत ने एक तरह से गेंद सरकार के पाले में ड़ाल दी है। देखना है, सरकार अब इससे कैसे निपटती है? हालांकि सर्वोच्च अदालत द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट आना बाकी है, किंतु इसका शांतिपूर्ण हल कैसे निकलेगा; इसके लिए सरकार को खुद आगे आने की जरूरत है। 73 दिन से आंदोलनरत किसानों को भी समझदारी दिखानी होगी। यही वक्त की मांग है।

प्रवीण कुमार सिंह

ये कमजोर शासन का काम

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि शालीन और सौम्य राजनेता की रही है। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान और बाद में उनकी कुछ टिप्पणियां उनकी निजी छवि के विपरीत रहीं। इसे चुनाव में उनके दल के खराब प्रदर्शन से जोड़ कर देखा गया। खैर, फिलवक्त उनके नेतृत्व में हाल ही में प्रशासन के दो फैसले भी उनके वैचारिक विरासत के उलट जाते दिख रहे हैं।

पहला-राज्य में सरकार के खिलाफ सोशल मीड़िया पर की गई टिप्पणी पर पुलिस को कार्रवाई का अधिकार; और दूसरा-विरोध प्रदर्शन करने और इसमें शामिल होने पर सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य ठहराए जाने का फैसला। दोनों लोकतंत्र के बुनियादी उसूल के खिलाफ हैं। वो चाहे तंत्र के गण के रूप में मत भिन्नता की बात हो या असहमति का प्रदर्शन। इस प्रकार के कदम सीधे तौर पर लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। क्योंकि बिना जवाबदेही के तानाशाही चलती है लोकतंत्र नहीं; खासकर बिहार में जिसकी तासीर से नीतीश भी वाकिफ भी हैं। 80 के दशक में मुख्यमंत्री रहे जगन्नाथ मिश्र द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता को कुंद करने के लिए लाए कानून को जबरदस्त प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। ऐसे में यह दोनों फैसले खुद उनकी सरकार के आत्मविश्वास पर एक प्रकार की टिप्पणी हैं।

अमूमन इस प्रकार के फैसलों को नौकरशाही के शासन में हावी होने से जोड़कर भी देखा जाता है। क्योंकि नौकरशाही अपनी आरामशाही में खलल नहीं पड़ने देना चाहती। पता नहीं क्यों सरकारें यह समझ नहीं पाती कि प्रतिरोध को भले ही कुछ पल के लिए दबा दें, उसे खत्म नहीं कर सकतीं। वो ज्यादा मजबूती से उभरता है और जब यही उभार जनभावना का रूप लेता है तो उनकी सत्ता से विदाई भी करा देता है। सरकारें जनता के द्वारा और जनता के लिए होती हैं। आत्मविश्वास से भरी सरकारें लोगों से संवाद करती हैं। समस्याओं के निराकरण का प्रयास करती हैं। हां॑ सोशल मीड़िया में अनर्गल टिप्पणियों को नजरअंदाज करने की जरूरत है। बेहद आपत्तिजनक होने पर ही आखिरी कदम के रूप में कार्रवाई होनी चाहिए॑ वो भी संतुलित तरीके से।

आंदोलन को मिली खाप से ताकत

दो दिन पहले, बुधवार को हरियाणा के जींद जिले के कंडेला गांव में प्रांत की सभी 50 खापों की एक सर्वखाप पंचायत हुई, जिसमें संयुक्त किसान मोर्चा की ही मांगें दोहराई गई हैं। भारतीय किसान यूनियन को मंच देकर सर्वखाप पंचायत ने आंदोलनकारी किसानों को अपना समर्थन दे दिया है। ऐसे में, सवाल यह पूछा जाने लगा है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन को अंजाम तक पहुंचाने में क्या इन पंचायतों की भी भूमिका होगी? चूंकि खापों का कोई सर्वमान्य नेता नहीं है (बैठक अथवा रैली का आयोजन अलग बात है), इसलिए केंद्र सरकार से बातचीत में खाप के नुमाइंदे भी शामिल होंगे, ऐसा नहीं लग रहा। वार्ता की मेज पर तो वही संगठन बैठेंगे, जो अब तक केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों से बात करते रहे हैं। फिर भी, खाप पंचायत एक रास्ता बना सकती है और उसे यह भूमिका स्वीकार करनी चाहिए। खाप पंचायतें किसान नेताओं से जिद व अहं न पालने और वार्ता में 'एक हाथ ले, दूसरे हाथ दे' की नीति अपनाने को समझा सकती हैं। हर समस्या का समाधान देर-सबेर निकलता है, इसलिए इस मसले का भी निकलेगा ही, लेकिन इस बीच सामाजिक ताना-बाना, राष्ट्रीय छवि और आपसी सद्भाव कायम रखना कहीं ज्यादा जरूरी है।

मुगल काल से उत्तर भारत के जाटों की खाप पंचायतें एक सामाजिक ग्राम्य गणतंत्र रही हैं। उत्तर मुगल काल में जब अफगान आक्रांता थोड़े-थोड़े अंतराल पर सिंध पार करके पंजाब को रौंदते हुए सशस्त्र बलों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ते थे, तब अपनी स्त्रियों, बच्चों और संपत्ति की रक्षा के लिए जाटों ने समूह बनाने शुरू किए थे। प्रारंभ में ये समूह गोत्र पर आधारित थे। जाटों में गोत्र की व्यवस्था उतनी ही पुरानी है, जितनी जाति। अपना डीएनए खास बनाए रखने के लिए जाट अपने बच्चों के शादी-ब्याह ऐसे दूसरे गोत्रों में करते हैं, जिनसे उनकी मां और पिता के गोत्र न टकराते हों। इस व्यवस्था से उनका सामाजिक विस्तार भी होता गया और समानता व एकता की भावना भी बलवती होती गई।

बाद के दिनों में गोत्र विशेष के छोटे-मोटे विवादों का निपटारा इनकी पंचायतों में होने लगा। खाप का ढांचा पिरामिडीय आकार का रखा गया है। नजदीकी भाई अपना कुटुंब बनाते हैं, कुटुंब मिलकर थोक (पट्टी) निर्मित करते हैं, थोक मिलकर थाम्बा गठित करते हैं, और अंत में उस गोत्र के थाम्बे मिलकर खाप का गठन करते हैं। सभी खापें मिलकर एक सर्वखाप का गठन करती हैं। कंडेला में यही सर्वखाप पंचायत हुई थी। वैसे, सबसे बड़ी सर्वखाप पंचायत 1936 में बालियान (जिसके प्रमुख नरेश टिकैत हैं) खाप के सोरम गांव में हुई थी। उसमें किसानों ने गांधीजी के आह्वान पर देश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का फैसला किया था। एक बात समझने की जरूरत है। जाटों की नजर में जमीन बहुत ही मूल्यवान होती है। एक जाट कितने भी महंगे बंगले में रहता हो, एलीट क्लब का सदस्य हो, करोड़ों के पैकेज वाली सैलरी कमाता है, पर दूसरों से बातचीत में अपने पास गांव में पैतृक जमीन होने की बात पर बड़ा ही गौरवान्वित महसूस करता है। खाप ग्रामीणों का संगठन होता है, इसलिए उनके पास किसान नेता व राजनेता अपना मनोबल, संख्या बल और शक्ति प्रदर्शन हासिल करने जाते हैं। ग्रामीण किसान भावुक और भोला-भाला होता है। वह आसानी से भावनाओं में बह जाता है। इसका फायदा भी आंदोलन के नेता उठाने से नहीं चूकते। राजनेता खापों के किसी काम नहीं आते, लेकिन उनका समर्थन जरूर अपने आंदोलन में जान फूंकने के लिए लेते रहते हैं।

> “खापों के किसान आंदोलन में शामिल हो जाने के बाद आंदोलन उग्र तो नहीं होगा, लेकिन खापों की सक्रियता से यह आंदोलन कुछ दिन अथवा माह लंबा जरूर खिंच जाएगा।”

बहरहाल, खापों के किसान आंदोलन में शामिल हो जाने के बाद आंदोलन उग्र तो नहीं होगा, लेकिन खापों की सक्रियता से यह आंदोलन कुछ दिन अथवा माह लंबा जरूर खिंच जाएगा। लाल किले की शर्मनाक घटना ने ग्रामीणों (खापों के मुख्य स्रोत) को भी अंदर तक झकझोर दिया था। हॉलीवुड के सितारों और कनाडा की रैलियों की कवरेज इन ग्रामीणों पर भी सीधा असर डाल रही हैं। जिन किसान परिवारों का एक भी सदस्य सीमा की रक्षा करने वाले सैनिक के रूप में अपनी सेवा दे रहा है, पुलिस में रहकर कानून-व्यवस्था संभालने में जुटा है, वह कतई नहीं चाहेगा कि किसान आंदोलन अपने मार्ग से भटककर अपने में राष्ट्रद्रोही तत्वों को शामिल करे या हिंसक हो जाए। जिम्मेदारी सरकार की भी बनती है। वह वार्ता के सभी माध्यम खुले रखे। हमारी कृषि शिक्षण संस्थाएं विश्व-स्तरीय हैं। यहां अध्ययन कर चुके छात्र और अध्ययन कराने वाली फैकल्टी दुनिया भर में पढ़ा रही हैं या शोध-कार्यों में जुटी हुई हैं। इन्हें शामिल करके किसानों के हित के मामले उनको समझाए जा सकते हैं। किसानों के दिल में बैठ गई या बिठाई गई ये बातें निकालनी पड़ेंगी कि बड़े कॉरपोरेट घरानों के हित साधने के लिए ये कानून बने हैं। किसानों के हित के प्रावधान उन्हें समझाने चाहिए। बिजली, खाद व पानी की किल्लत और खाद्य पदार्थों का बाजार न मिलने जैसी समस्याएं भी राज्य सरकारों को साथ लेकर सुलझाने की जरूरत है। कृषि राज्य का विषय है। इसलिए समस्या के समाधान की जिम्मेदारी अकेले केंद्र की नहीं है। किसान आंदोलन एक खास तबके या जाति द्वारा चलाया जा रहा है, यह भ्रम तोड़ना होगा, और इसकी जवाबदेही आंदोलन के नेताओं की है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि आजादी के बाद के समूचे भारत वर्ष के निर्विवादित किसान नेता किसानों को एक वर्ग मानकर उनकी लड़ाई लड़ते थे। चौधरी चरण सिंह अपने समूचे राजनीतिक जीवन में लोक-व्यवस्था बनाए रखने और सांविधानिक संस्थाओं के सम्मान व प्रतीकों की सुरक्षा के हिमायती थे। उम्मीद है, किसान बिरादरी उनकी इस विरासत को बनाए रखने को कृत संकल्पित होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

चर्चित चेहरा

कुश्ती की नयी सनसनी सोनम मलिक

यह हैरत में डालने वाली बात है कि दो साल पहले जिस नवोदित महिला पहलवान के एक हाथ को लकवा मार गया हो और डॉक्टरों ने जवाब दे दिया हो, अब उसी हाथ को उठाकर रेफरी ने उसे राष्ट्रीय चैंपियन घोषित किया है। इससे भी बड़ी चौंकाने वाली बात यह है कि उसने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में ओलंपिक विजेता साक्षी मलिक को अपने वर्ग में चित किया। इस तरह उसने टोक्यो ओलंपिक के लिये भी अपनी दावेदारी को मजबूत कर दिया है।

ताजनगरी आगरा में हाल ही में संपन्न 23वीं सीनियर नेशनल महिला कुश्ती चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर करने वाली सोनम मलिक ने फाइनल में रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली साक्षी मलिक को पटखनी दी। साक्षी 62 किलो भार वर्ग में रेलवे की तरफ से खेल रही थी। इस तरह उसने साक्षी के नेशनल चैंपियन बनने के सपने को तोड़ दिया। हालांकि, इससे पूर्व के तीन मुकाबलों में शानदार खेल दिखाकर साक्षी फाइनल की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। दरअसल, इससे पहले भी सोनम साक्षी को दो बार हरा चुकी है। पिछले साल जनवरी में एशियाई चैंपियनशिप के ट्रायल और फरवरी में एशियाई ओलंपिक क्वॉलीफायर में वह साक्षी को हरा चुकी है। यही मनोवैज्ञानिक दबाव सोनम ने इस मुकाबले में भी बनाये रखा और राष्ट्रीय चैंपियन बनने में कामयाब रही। इस मुकाबले में सोनम ने साक्षी को 7-4 से हराया।

एक वक्त था जब सोनम के एक हाथ में लकवा मार गया था तो उसकी सारी उम्मीदें निराशा में डूब गई थीं। दरअसल, 2017 में वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद सोनम को दाहिने हाथ में दिक्कत हुई और उसे टूर्नामेंट बीच में ही छोड़ना पड़ा था। तब डॉक्टर ने सोनम को छह माह का बेड रेस्ट भी बताया था। लेकिन मजबूत आत्मविश्वास वाली सोनम ने हौसला नहीं खोया। उसने न केवल अपना दाहिना हाथ ठीक किया बल्कि राष्ट्रीय चैंपियनशिप भी जीती।?डॉक्टर भी आश्वस्त नहीं थे कि वह फिर कुश्ती में बेहतर कर पायेगी। घर की माली हालत ऐसी न थी कि महंगा इलाज करा सके। लेकिन पहलवान रहे पिता ने हार नहीं मानी। अपनी आर्थिक सीमाओं के मद्देनजर उन्होंने परंपरागत आयुर्वेद उपचार कराया और उनकी मेहनत रंग लायी। सोनम ने आत्मविश्वास से न केवल वापसी की बल्कि राष्ट्रीय चैंपियनशिप भी जीत ली। सोनम ने कुश्ती में उसी दाहिने हाथ से साक्षी को शिकस्त दी, जिसे डॉक्टर कह रहे थे कि इसका ठीक होना मुश्किल है।

यह संयोग ही है कि जिस साक्षी को रियो ओलंपिक में पदक लेता देख सोनम का मनोबल बढ़ा था, आज उसी सोनम ने उसी साक्षी मलिक को पटखनी देकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप हासिल कर ली है। दरअसल, सामान्य परिवार की सोनम को पहलवानी का शौक घर के परिवेश से मिला। रोहतक के मदीना गांव के राजेंद्र मलिक कभी पहलवानी किया करते थे लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। अपनी सीमाओं को महसूस करते हुए उन्होंने परिवार के भरणपोषण के लिए एक चीनी मिल में नौकरी कर ली। यह सोचकर कि मेरे बच्चे मेरे अधूरे सपने को पूरा करेंगे। सही मायनो में सोनम ने पापा का सपना पूरा भी किया। सोनम ने जब होश संभाला तो उसे कुश्ती आकर्षित करती थी। उसका चचेरा भाई भी कुश्ती करता था तो आसपास के गांव में वह भी कुश्ती देखने जाया करती थी।

एक बार कुश्ती के पारखी और कोच अजमेर मलिक की नजर अखाड़े में सोनम पर पड़ी। उन्होंने सोनम की प्रतिभा को पहचाना और परिवार को उसे अकेडमी भेजने के लिये तैयार कर लिया। पिता राजेंद्र के सपनों को यह पंख लगने जैसा था। कोच का साथ?मिलने से सोनम की प्रतिभा को संवारने का मौका मिला। कुशल हाथों से प्रशिक्षण मिलने से सोनम सोना बनती गई। फिर क्या था, जिले से लेकर राज्यस्तर तक की स्पर्धाओं में सोनम भागीदारी करती गई। हर टूर्नामेंट में जाती और कोई न कोई इनाम लेकर लौटती।

सोनम के लिये हरियाणा के विश्वविख्यात पहलवान और दो बार ओलंपिक चैंपियन सुशील कुमार तथा योगेश्वर दत्त प्रेरणा के प्रतीक रहे हैं। साक्षी मलिक का रियो ओलंपिक में पदक जीतना सोनम को प्रेरणा दे गया। सोनम अपनी सफलता का श्रेय पिता के साथ कोच अजमेर मलिक को देती है।

सोनम ने अपने कैरियर में थाईलैंड में 2016 में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में कांस्य, 2017 में क्रोएशिया में एशियन चैंपियनशिप में रजत, 2017 में एथेंस में आयोजित कैडेट वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण, 2017 में वर्ल्ड स्कूल गेम्स में स्वर्ण, वर्ष?2018 में अर्जेंटीना में वर्ल्ड कैडेट चैंपियनशिप में कांस्य, वर्ष?2019 में कजाखिस्तान में एशियन चैंपियनशिप में रजत तथा इसी साल बुल्गारिया में हुई कैडेट वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी धाक जमायी। उससे टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद लगायी जा रही है। सुशील कुमार के बाद विश्व कैडेट चैंपियनशिप में दो बार स्वर्ण जीतने वाली वह भारत की पहली खिलाड़ी है। इसलिये विश्व कुश्ती में उनको लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। रोहतक के जाट कालेज का प्रतिनिधित्व करने वाली सोनम को लेकर हरियाणा और देश की उम्मीदें उफान पर हैं। सोनम को दंगल फिल्म रोमांचित करती है। उसका कहना है कि फिल्म देखकर उसमें जोश भर जाता है। हर रोज पांच-छह घंटे अभ्यास करने वाली सोनम हर प्रतियोगिता में जाने से पहले पिता का आशीर्वाद लेना नहीं भूलती।

स्वदेशी खिलौने

आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि

बचपन के खेल, मूर्त या अविष्कृत, एक बच्चे के ज्ञान संबंधी विकास और प्रारंभिक समाजीकरण के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

वे बच्चों को बॉक्स के बाहर सोचने की अनुमति देते हैं, उनकी सृजनात्मकता और कल्पनाशील क्षमताओं को आग में झोंक दिया जाता है इसलिए, कोई आश्चर्य नहीं है (और यह वाकई स्वागतयोग्य कदम है) कि नई शिक्षा नीति, 2019 में बच्चों के लिए खिलौनों पर जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में खिलौनों के महत्त्व पर जोर दिया है। भारत का लगभग हर राज्य और क्षेत्र अपने यहां के खिलौनों पर गर्व कर सकता है जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ते रहे हैं। वे आम तौर पर अपने क्षेत्र की अनुकूल स्थिति का लाभ उठाते हैं- चाहे वह समृद्ध वस्त्र हों, लकड़ी का कठिन काम हो या मिट्टी के पारंपरिक बर्तनों को परिश्रम से बनाना हो। आधुनिक खिलौनों के लिए नई जानकारी प्राप्त करने के अलावा, भारत की विभिन्न स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं की इस अंतर्निहित क्षमता का राष्ट्रव्यापी पैमाने पर विस्तार करने की संभावना है, जो भारत को एक प्रमुख वैश्विक निर्माता और खिलौनों के निर्यातक के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। इस क्षमता को पहचानते हुए, केंद्र सरकार ने 14 केंद्रीय मंत्रालयों की सलाह से खिलौनों के लिए एक 17 सूत्रीय राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की है, जिसमें 13 निर्धारित हस्तशिल्प खिलौना समूहों में खिलौना क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यकता आधारित बेहतर कार्ययोजना शामिल होगी।

कार्ययोजना में स्वदेशी खिलौनों की सार्वजनिक खरीद, 'मेक इन इंडिया' और स्वदेशी खिलौना समूहों को बढ़ावा देना, उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाना, गुणवत्ता नियंत्रण लागू करना और उद्योग में निवेश को बढ़ावा देना भी शामिल है। इस कार्ययोजना के तहत, कपड़ा मंत्रालय ने 27 फरवरी से 2 मार्च 2021 के बीच 'राष्ट्रीय खिलौना मेले' का भी प्रस्ताव रखा है। भारतीय खिलौना उद्योग लगभग 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है। यह स्थानीय और वैश्विक दोनों क्षेत्रों में विनिर्माण के जबरदस्त अवसर प्रस्तुत करता है। प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध कच्चे माल (प्लास्टिक, पेपरबोर्ड और टेक्सटाइल; भारत पॉलिएस्टर और संबंधित फाइबर का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है) की व्यापक उपलब्धता आयात की आवश्यकता को अमान्य घोषित करके उद्योग के फायदेमंद है और इससे, विनिर्माण लागत कम होती है। यह क्षेत्र के 4,000 निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण है,

जिनमें से 75 प्रतिशत माइक्रो यूनिट हैं और 22 प्रतिशत छोटे और मध्यम उद्यम हैं। दूसरा, भारत में बड़ी संख्या में निर्माताओं का होना इस बात की गवाही देता है कि यहां बड़े पैमाने पर खिलौनों का निर्माण करने के तकनीकी ज्ञान का बड़ा जाल है। क्षेत्र में अंतर्निहित विविधता वैश्विक खिलौना मांग के लिए एक व्यवहार्य वैकल्पिक स्रोत बनने की भारत की क्षमता को रेखांकित करती है। अंत में, विभिन्न बाजार मूल्य और परिवर्तन विनिर्माण लक्ष्यों के रूप में भारत की बढ़ी हुई बाजार अनुकूलता का संकेत देते हैं। घरेलू निर्माताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, संबद्ध क्षेत्रों ने भी आवश्यक कच्चे माल और स्वचालन उपकरण तेजी से प्रदान करने शुरू कर दिए थे। इस प्रकार, इस क्षेत्र में मौजूदा और नये उद्यमियों का समर्थन करने के लिए, राज्य सरकारों ने सॉफ्टवेयर या अन्य उपकरणों से जुड़ी सुविधाओं के साथ खिलौना क्लस्टर, आसान कच्चे माल और बंदरगाह तक पहुंच और आवश्यक जांच प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं या स्थापित कर रही हैं। निर्यात के मामले में, भारत के खिलौना निर्यात में महाराष्ट्र 32.6 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश और कर्नाटक क्रमश- 19.3 और 13.6 प्रतिशत के साथ सबसे आगे हैं। इस क्षेत्र के अन्य उभरते राज्यों में तमिलनाडु, गुजरात, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं।

मुख्य रूप से ये राज्य सरकारें पूंजीगत निवेश सब्सिडी में 30 प्रतिशत तक की पेशकश कर रही हैं, जो सभी उत्पादकों के लिए एक आकषर्क प्रोत्साहन है। भारत को डिजिटल बनाने पर बढ़ता ध्यान खिलौने उद्योग के लिए सम्भावनाएं प्रकट करता है। एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म कई स्वदेशी खिलौना समूहों के लिए ज्ञान और पहुंच बढ़ा सकता है। मांग में यह वृद्धि उन हजारों पारंपरिक हस्तकला कारीगरों की सहायता करेगी, जिन पर पारंपरिक खिलौना उद्योग टिका हुआ है। खिलौना उद्योग देश के कई आर्थिक पहलुओं का समर्थन करता है। उद्योग के स्थानीयकरण के लिए यह एकीकृत दृष्टिकोण सही मायने में भारत की आत्मनिर्भरता को प्रकट कर सकता है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

जबलपुर: आईपीएस मीणा के मामले की सुनवाई 17 मार्च को

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में प्रदेश के आईपीएस रघुवीर सिंह मीणा की जाति प्रमाण पत्र के मामले में सरकार की ओर से दस्तावेज पेश किए गए। चीफ जस्टिस मोह. रफीक व जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की युगलीठ ने उक्त दस्तावेजों को रिकार्ड पर लेते हुए आवेदक को अपना पक्ष रखने मोहलत देते हुए मामले की सुनवाई 17 मार्च तक के लिये मुलतवीं कर दी। आईपीएस आरएस मीणा की ओर से जाति प्रमाण पत्र के मामले में पूर्व में दावा किया गया कि उन्हें आईजी (विजिलेंस) सीआईडी के जरिए कभी भी 6 नवम्बर 2015 की तारीख का कोई नोटिस ही नहीं मिला। जिसके बाद सरकार की ओर से नोटिस तामीली के संबंध में दस्तावेज पेश किये गये थे। आगे हुई सुनवाई पर अपीलार्थी की ओर से अतिरिक्त दस्तावेज पेश किए गए थे।

सिंगरौली: थमेंगे कोयला ढोने वाले वाहनों के पहिए

सिंगरौली। रविवार से ट्रांसपोर्ट संगठनों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी गई है। जिस कारण अब एनसीएल से निकलकर परियोजनाओं के लिए रोड के माध्यम जाने वाला कोयला आगामी दिनों तक रुका रह सकता है। इससे आगामी दिनों में बिजली संकट उत्पन्न होने की पूरी आशंका है। गौरतलब है कि बीते वर्ष में कोरोना महामारी के चलते ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर भारी असर पड़ा था। ट्रक मालिकों के ऊपर ट्रकों की किस्त व ब्याज पहाड़ बनकर गिर पड़ी थी। अभी ट्रांसपोर्टर इससे उभरे भी नहीं थे कि बीते दिनों से सरकार द्वारा डीजल के रेट में बेतहाशा वृद्धि की गई। इससे ट्रांसपोर्टर्स पर बुरा असर पड़ा है।

बुरहानपुर: सड़क हादसे में तीन की मौत, छह घायल

बुरहानपुर। निंबोला थानाक्षेत्र के चौड़ा नाला के पास शनिवार को एक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि छह गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को निंबोला पुलिस ने 108 एम्बुलेंस व अन्य वाहनों से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक सभी लोग आशादेवी मंदिर दर्शन करने गए थे, वहां से लौटते समय शाम करीब पांच बजे यह हादसा हुआ है। इस हादसे में बुधवारा निवासी 60 वर्षीय राजेंद्र शाह और 52 वर्षीय रेखा शाह निवासी सिंधीपुरा की मौत हो गई है। दोनों मृतक रिश्ते में भाई-बहन बताए गए हैं। इसके अलावा 65 वर्षीय कमल सुगंधी की भी मौत हो गई । वहीं 6 अन्य लोग घायल हैं, जिनमें 15 वर्षीय जिनल शाह, 10 वर्षीय नैंसी शाह, 12 वर्षीय यश सुगंधी, तनुजा हकीम और ऑटो चालक सिराज बेग शामिल हैं।

उज्जैन: नाचने के दौरान आया हार्टअटैक, युवक की मौत

उज्जैन। कजीन भाई की शादी की सालगिरह की खुशियों का कार्यक्रम एक परिवार के लिये उस वक्त मातम में बदल गया जब छोटे भाई की कार्यक्रम में नाचने के दौरान हार्ट हटैक से अचानक मृत्यु हो गई। संस्कार उर्फ राम पता विजय खण्डेलवाल 19 वर्ष निवासी जयसिंहपुरा रेलवे फाटक के पास शुक्रवार रात नक्षत्र होटल में कजीन भाई अजय की शादी की सालगिरह में शामिल होने परिवार के साथ गया था। यहां उसने जमकर डांस किया। इसी दौरान वह किसी काम से कमरे की ओर जाने लगा तभी अचानक जमीन पर गिर पड़ा। वेटर ने उसे जमीन पर पड़ा देखा तो शोर मचाकर सभी को सूचना दी। परिवारजन संस्कार को तुरंत लेकर अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद कहा कि युवक की 15 मिनट पहले ही मृत्यु हो चुकी है।

इंदौर: अब विदेशी पक्षियों को भी चिड़ियाघर में निहारेंगे दर्शक

इंदौर। कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में शनिवार को पक्षीगृह और बेट्री चलित कार का शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही अब रविवार को भी प्राणी संग्रालय दर्शकों के लिए खुला रहेगा। अब रविवार को आम दर्शक विदेश पक्षियों के साथ ही अन्य वन्य प्राणियों को निहार सकेंगे। सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेन्द्र हार्डिया व आयुक्त प्रतिभा पाल द्वारा कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में पक्षीगृह व बेट्री चलित कार का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्राणी संगहालय प्रभारी डॉ. उत्तम यादव, सहायक यंत्री श्री आरएस देवडा, श्री नरेश जायसवाल व अन्य उपस्थित थे। नवीन पक्षी गृह के शुभारंभ पश्चात पक्षीगृह का अवलोकन किया गया। पक्षीगृह में रखे रंग-बिरंगी 400 पक्षीयों को उड़ता देख अतिथि अभिभूत हो गए। इस दौरान पक्षी अतिथियो के हाथ पर बैठे व उन्हे दाना भी चुगाया गया।

रायपुर: राहुल को पार्टी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी ने श्री राहुल गांधी को फिर पार्टी अध्यक्ष की कमान सौंपे जाने का प्रस्ताव पारित किया है। प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों की शनिवार को यहां हुई बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्री राहुल गांधी को फिर कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किए जाने का प्रस्ताव रखा,जिसका राज्य के पार्टी प्रभारी पी.एल.पुनिया एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने समर्थन किया। इसके बाद प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया। पारित प्रस्ताव में कहा गया हैं कि श्री गांधी के साथ समस्त कांग्रेसजन दृढ़तापूर्वक खड़े हैं,और विश्वास हैं कि उनके नेतृत्व में ही कांग्रेस संगठन निरंतर दृढ़ता एवं मजबूती प्राप्त करेगी।

दो प्रोफेसरों में जमकर लात-घूंसे चले, वीडियो वायरल

कुलपति ने बनाई जांच कमेटी

उज्जैन (एजेंसी)। विक्रम विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर के बीच जमकर लात घूसे चले। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

शुक्रवार शाम को एमबीए डिपार्टमेंट के प्रमुख प्रोफेसर डीडी बेदिया और प्रोफेसर कामरान सुल्तान के बीच जमकर हाथापाई हुई। कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पांडेय के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। स्थानीय विधायक और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। डॉ कामरान एलएलएम करना चाहते हैं और उनकी क्लास का समय दिन में रहेगा। इस बात पर आपत्ति डॉ बेदी ने उठाई कि अगर दिन में कामरान एलएलएम पढ़ने जाएंगे तो डिपार्टमेंट की क्लास इससे प्रभावित होगी। इस बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हुई और विवाद हाथापाई तक पहुँच गया। हाथापाई में बेदिया के कपड़े फट गए, जबकि कामरान का चेहरा लहूलुहान हो गया। दोनों प्रोफेसरों के बीच हुए इस विवाद के बाद कुलपति डॉ. अखिलेश पांडेय ने जांच बैठा दी है।

सांसी गैंग को पकड़ने के 48 घंटे बाद जीआरपी टीआई को मिली धमकी

तुमने हमारी गैंग पकड़ी है तुम्हें हम सात दिन में निपटा देंगे

ग्वालियर, (एजेंसी)। तुमने हमारी गैंग पकड़ी है। सात दिन में तुम्हे निपटा देंगे। यह धमकी भरा पत्र जीआरपी टीआई के घर पर फेंका है। घटना विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के कैलाश विहार में टीआई के निवास की है। टीआई ने पुलिस थाने में शिकायत करने के साथ ही अपने वरिष्ठ अफसरों को भी इस बात की जानकारी दी है। यह धमकी टीआई जीआरपी अजीत चौहान के सांसी गैंग को पकड़ने के 48 घंटे के बाद मिली है।

जीआरपी पुलिस ने ट्रेनों में यात्रियों के सामान की चोरी करने वाले सांसी गैंग के चार सदस्यों को दबोचा था और करीब 10 लाख का माल बरामद किया था। मामले का 48 घंटे पहले खुलासा हुआ था। इन चोरों को दबोचने व माल बरामद करने में जीआरपी टीआई अजीत चौहान का अहम रोल था और उन्हीं की मेहनत से गैंग दबोचा गया था। टीआई चौहान विश्वविद्याल थाना क्षेत्र के कैलाश विहार में रहते है। शनिवार सुबह चौहान के घर के पोर्च में एक कागज पड़ा हुआ था। चौहान के स्वजनों ने कागज को उठाया और उसे पढ़कर देखा तो उसमें लिखा था कि तुमने हमारी गैंग को पकड़ा है। हम सात दिन के अंदर तुम्हे निपटा देंगे।

इसके बाद उन्होंने धमकी वाले पत्र की जानकारी विश्वविद्यालय थाने को दी। साथ ही जीआरपी के वरिष्ठ अफसरों को भी घटना से अवगत कराया। विश्वविद्यालय पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच करना शुरू कर दिया है। इस मामले में जीआरपी टीआई अजीत सिंह चौहान का कहना है कि ऐसी धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। जो भी होगा वो देखा जाएगा।

जबलपुर में खाद्य निरीक्षक को 15 और सहायक यंत्री को पांच हजार की रिश्वत लेते दबोचा

जबलपुर, (एजेंसी)। जबलपुर में शनिवार को लोकायुक्त पुलिस ने दो अलग अलग कार्रवाई में एक खाद्य निरीक्षक और सहायक यंत्री को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

उप पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त जेपी वर्मा ने बताया कि खाद्य एवं औषधि विभाग में पदस्थ खादय निरीक्षक पेनेंद्र मेश्राम ने न्यायालय में लंबित तीन प्रकरणों में सहायता कर दोषमुक्त करवाने के एवज में राजा कुकरेजा से 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। खाद्य निरीक्षक रिश्वत की पहली किस्त 15 हजार रुपए ओमती स्थित कॉफी हाउस पहुंचा था। खाद्य निरीक्षक से जैसे ही रिश्वत की रकम ली लोकायुक्त टीम ने उसे दबोच लिया। इसी तरह संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन विभाग में पदस्थ प्रभारी सहायक यंत्री आदित्य सिंह ने कार्य पूर्ण किये जाने का प्रमाण-पत्र जारी कर नैनपुर निकाय पहुंचाने के लिए ठेकेदार जाहिद खान से 11 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसकी शिकायत पीडित ठेकेदार ने लोकायुक्त में की थी। पीड़ित ने जैसे ही प्रभारी सहायक यंत्री के कार्यालय में पहुंचकर रिश्वत के पांच हजार रुपए दिये, तभी लोकायुक्त की टीम ने दबिश देते हुए उसे पकड़ लिया। दोनों प्रकरणों में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

बाणसागर घोटाले में रीवा की विशेष अदालत का बड़ा फैसला

1250 करोड़ रु. के घोटाले में कोर्ट ने 40 को बनाया आरोपी

ठेकेदारों व फर्मों को अनाधिकृत लाभ देने, रेट सूची और सामग्री सप्लाई में की गई गड़बड़ी

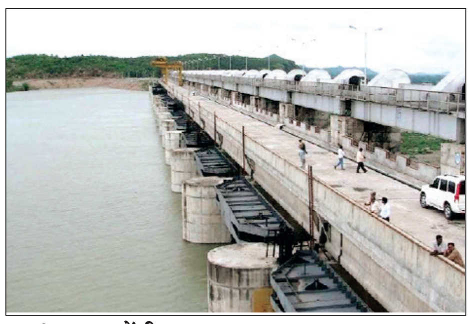

रीवा (एजेंसी)। जल संसाधन विभाग के 1250 करोड़ के बहुचर्चित बाणसागर घोटाले में रीवा की विशेष अदालत ने 40 मुख्य आरोपियों पर आरोप तय किया है। रीवा की विशेष कोर्ट में अब इन आरोपियों पर इस मामले में विचारण व गवाही शुरू होगी। करीब आठ साल बाद इस प्रकरण में कोर्ट द्वारा आरोप तय किए हैं।

आपको बता दें कि बाणसागर परियोजना में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी हुई थी। निर्माण सामग्री सप्लाई, ठेकेदारों व फर्मों को अनाधिकृत लाभ देने, रेट सूची में गड़बड़ी करने आदि के आरोप थे। ये गड़बड़ी वर्ष 2004 से लेकर 2006 के बीच हुई थी। राज्य आर्थिक अपराध अनुसंधान ने जांच के बाद 22 सितम्बर 2008 को अपराध क्र. 21/08 दर्ज किया था। भादंवि की धारा 420, 120 बी, 467, 468, 471 एवं पीसी एक्ट की धारा 12, 13 (1) सीडी, 13 (2) के तहत प्रकरण दर्ज हुए थे।

वर्ष 2012 में मुख्य अभियोग पत्र एवं सात पूरक अभियोग पत्र विशेष न्यायाधीश के न्यायालय में प्रस्तुत किए गए थे। आरोप पर बहस के दौरान शासन की ओर से सहायक लोक अभियोजन अधिकारी अंजू पाण्डेय द्वारा अपने तर्क प्रस्तुत किए गए। इसके आधार पर आठ वर्ष बाद बाणसागर घोटाले के 40 आरोपियों के विरुद्ध विशेष कोर्ट ने आरोप तय कर दिए हैं।

इन पर तय हुए हैं आरोप

जलसंसाधन के अधिकारी

तत्कालीन प्रभारी मुख्य अभियंता पीसी महोबिया, एसके पाठक, सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री अनुपम कुमार श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त कार्यपालन यंत्री पार्थ भट्टाचार्य, एलएम सिंह, रवि प्रसाद खरे, केसी राठौर, एमपी चतुर्वेदी, बीपी रावत, जयविंद सिंह परिहार एवं उपभोक्ता सहकारी भंडार के तत्कालीन सीइओ रामदिनेश त्रिपाठी आदि शामिल हैं।

फर्मों के संचालक

गुलाबदास अग्रवाल सतना, राजेश नारायण दर उर्रहट रीवा, विश्वनाथ मिश्रा रीवा, राजकुमार पटेल छत्रपति नगर रीवा, गुलाब प्रसाद पटेल बाणसागर कालोनी रीवा, चंद्रधर सिंह किला रोड रीवा, अभिषेक मदान, गुलाम अहमद, ओमप्रकाश अरोरा ग्वालियर, श्यामकुमार मदान हरपालपुर, बृजेश कुमार सिंह रीवा, सुरेश खंडेलिया शहडोल, सुरेश मदान हरपालपुर, प्रवेश मदान, किरण मदान हरपालपुर, राजकुमार अग्रवाल द्वारिका नगर, अनीता अग्रवाल, अर्जुन नगर रीवा, रमेश कुमार गुप्ता कोठी रोड रीवा, संजय मंधाना छिंदवाड़ा, मदनमोहन मुदड़ा इंदौर, माया यादव, उर्मिला तिवारी रीवा, संजय कछवाह चुरहट, राजेश महाजन इंदौर, एनके अग्रवाल, सुभाषचंद्र थापर रीवा, शशिभूषण अग्रवाल रीवा, बृजेश सिंह आदि।

नोएडा में कमलनाथ के भाई-भाभी की हत्या का मामला

ग्वालियर से जुड़े दंपति की हत्या के तार, दो संदेही पुलिस हिरासत में

ग्वालियर,(एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के चचेरे भाई नरेंद्र नाथ और भाभी सुमन नाथ की हत्या के हाई प्रोफाइल मामले में शुक्रवार को नोएडा पुलिस ने ग्वालियर से दो संदेहियों को पुलिस हिरासत में लिया। पुलिस दोनों संदेहियों को हिरासत में लेने के बाद पूछताछ के लिए नोएडा ले गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार नोएडा से पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल सुबह ग्वालियर पहुंचा। यहां पुलिस की टीम ने पिंटो पार्क सैनिक कॉलोनी में दबिश दी और कल्लू भदौरिया पुत्र दरबारी सिंह को उठाया। कल्लू से पूछताछ के बाद टीम गोवर्धन कॉलोनी पहुंची और यहां से देव शर्मा पुत्र रामकिशोर शर्मा को पकड़ा। दोनों को हिरासत में लेने के बाद पुलिस की टीम गोला का मंदिर पहुंची। यहां दोनों को हवालात में बैठा कर उनसे नोएडा पुलिस के अफसरों ने पूछताछ की।जहां ग्वालियर पुलिस के साथ शहर के गोला का मंदिर इलाके में सैनिक कॉलोनी से एक संदेही को हिरासत में लिया गया। वहीं, गोवर्धन कॉलोनी से भी एक संदेही युवक को हिरासत में लिया गया। पुलिस हिरासत में लिए गए संदेहियों को अपने साथ पूछताछ के लिए नोएडा ले गई है। नोएडा में रहने वाले एक दंपति की दो दिन पूर्व हत्या कर दी गयी थी।

आप को बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के चचेरे भाई और भाभी की ग्रेटर नोएडा में सनसनीखेज हत्या गुरुवार को हो गई थी। कमलनाथ के चचेरे भाई 70 वर्षीय नरेंद्र नाथ और 65 वर्षीय भाभी सुमन नाथ अपने ग्रेटर नोएडा के अल्फा-2 सेक्टर के एल-24 मकान में मृत पाए गए थे। घटना का पता शुक्रवार सुबह लगा था। अभी तक की पुलिस विवेचना में पता लगा है कि इस दोहरे हत्याकांड में किसी पहचान वाले का ही हाथ है।

मां नर्मदा की कृपा से किसान होंगे समृद्ध: पटेल

कृषि मंत्री नर्मदा परिक्रमा के दौरान किसानों को बता रहे हैं नए कृषि कानूनों के फायदे

भोपाल ,एजेंसी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल नर्मदा परिक्रमा के दौरान शनिवार सुबह बड़वानी से रवाना होकर शाम को गुजरात के विमलेश्वर पहुंचे। परिक्रमा के दौरान बड़वानी जिले के सिलावद, पलसूद, निवाली, दोंदवाड़ा, पानसेमल, खेतिया इत्यादि स्थानों पर श्री पटेल ने किसानों को नवीन कृषि कानूनों और प्रदेश सरकार द्वारा किसान हित में लिये गए निर्णय के फायदे बताए। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर कृषि मंत्री का जनता ने स्वागत-अभिनंदन किया।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि देश-प्रदेश के विकास और किसानों की समृद्धि की कामना के साथ वे माँ नर्मदा की परिक्रमा सपरिवार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नर्मदा मैया ने अपने तट पर रहने वाले किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाया है। देश के नए कृषि कानून माँ नर्मदा की कृपा से सभी किसानों को समृद्धशाली बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश की सरकार लगातार किसानों के लिए काम कर रही है। मात्र 11 महीनों में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं।

रिटायर्ड बिजलीकर्मी को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ऐंठे 6 लाख रुपए

बर्थडे पार्टी में बुलाकर रात में रोका, सुबह बिस्तर पर मिली युवती

ग्वालियर, (एजेंसी)। ग्वालियर में बिजली कंपनी से रिटायर्ड कर्मचारी को दो महिलाओं और एक पुरुष ने हनीट्रैप का शिकार बनाया। एक महिला ने जन्मदिन के जश्न में बुलाकर रिटायर्ड कर्मचारी को वहीं सोने के लिए तैयार कर लिया। सुबह जब वह नींद से उठा तो उसके बिस्तर पर एक युवती थी। इसके बाद उससे दुष्कर्म के मामले में बदनाम करने और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 6 लाख रुपए ऐंठ लिए हैं।

घटना 6 दिसंबर से 14 दिसंबर के बीच भितरवार की है। हाल ही में उसने एसपी ग्वालियर से मामले में शिकायत की है। जिस पर पुलिस ने शनिवार को क्राइम ब्रांच थाना में यह मामला दर्ज किया है। डबरा के जवाहर कॉलोनी निवासी 60 वर्षीय रामदयाल रजक बिजली कंपनी में कर्मचारी थे। रिटायर्ड होने से पहले उनकी पोस्टिंग जब भितरवार तहसील में थी तो वह वहां मंजू जाटव नाम की महिला के घर एक किराए से रहते थे। 6 दिसंबर 2020 को मंजू जाटव ने रामदयाल को फोन कर अपने जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए बुलाया था। रात को जन्मदिन का जश्न मनाया गया। जिसमें शराब भी थी। रात अधिक होने पर रिटायर्ड कर्मचारी को मंजू ने वहीं सोने और सुबह घर छोड़ने की बात कही। इस पर वह वहीं सो गए।

रामदयाल जब सुबह नींद खुली तो देखा कि उनके बेड के पास एक युवती लेटी थी। उनके नींद खुलते ही युवती रोने लगी। उसका नाम सलमा था। इसी समय मंजू और सलमा का पति भी वहां आ गया। मंजू ने आरोप लगाया कि तुमने इस लड़की के संग क्या कर दिया। इसके बाद रामदयाल घबरा गया। वहां पुलिस में जाने की बात होने लगी। महिला ने यह भी बताया कि घटना का पूरा वीडियो भी उनके पास है।

आरक्षक ने वीडियो वायरल कर खुद को बताया बागी

सर्विस रायफल लेकर फरार हुआ आरक्षक, गोली मारने की धमकी

गुना। जिला पुलिस बल गुना में तैनात आरक्षक नीरज जोशी उर्फ टोनी बागी हो गया है। उसने खुद एक वीडियो जारी कर अपने बागी होने की वजह बताई है। नीरज जोशी ने ग्वालियर जोन में पदस्थ रहे आईजी और एडीजी रैंक के अधिकारी राजाबाबू सिंह, दो सब इंस्पेक्टर रामवीर सिंह कुशवाह व राम शर्मा और सायबर सेल गुना के एएसआई मसीह खान पर तमाम सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। कहा जा रहा है कि नीरज हथियार के साथ भागा है और वीडियो में उसने धमकी दी है कि जो भी उसके सामने आएगा, वो उसे गोली मार देगा।

आरक्षक नीरज जोशी उर्फ टोनी कुछ समय से इसे लाइन हाजिर किया हुआ था जिसके बाद अचानक शनिवार को उसका वीडियो सोशल मीडिया पर जारी हो गया। सूत्रों का कहना है कि नीरज नशा करने का आदी रहा है। सूत्रों की मानें तो नीरज मुताबिक सर्विस रायफल लेकर भागा है। नीरज के द्वारा सरकारी रायफल से फायरिंग करते हुए वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नीरज ने वीडियो में धमकी दी है कि उसके सामने जो भी आएगा वो उसे गोली मार देगा।

7 माह में छह बार बेची गई 18 साल की लड़की, तंग आकर की आत्महत्या

छतरपुर में मानव तस्करी के मामले में आठ आरोपी धराए

छतरपुर, (एजेंसी)। शनिवार को छतरपुर पुलिस ने दिल को दहला देने वाले मानव तस्करी के मामले को उजागर किया है। इस मामले में 18 साल की एक लड़की को नौकरी के नाम पर छत्तीसगढ़ से लाया गया और फिर 7 महीने के अंतराल में 6 बार उसे विभिन्न लोगों को बेचा गया।

शनिवार को पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि छतरपुर के निकटवती ग्राम खोंप निवासी बीनू उर्फ अजय सिंह राय की पत्नि मूलतः छत्तीसगढ़ की निवासी है। बीनू की पत्नि ने छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले अंतर्गत थाना कांसाबेल के सूजीबहार गांव से एक 18 साल की गरीब लड़की को उसके माता-पिता से नौकरी के नाम पर हासिल किया था। आरोपी बीनू और उसकी पत्नि ने 7 माह पूर्व सबसे पहले इस लड़की को छतरपुर जिले के बमनौरा निवासी कल्लू रैकवार को बेचा था। तदोपरांत कल्लू रैकवार ने इस लड़की को हरेन्द्र सिंह बुन्देला निवासी नरवा को बेचा, फिर यह लड़की श्रंखलाबद्ध तरीके से राज पाल सिंह परमार निवासी ग्राम दतया, देशराज कुशवाहा निवासी ग्राम रनगांव, मुन्ना कुशवाहा निवासी ग्राम सीरोन ललितपुर के माध्यम से बिकते हुए संतोष कुशवाहा निवासी ग्राम ललितपुर के पास पहुंची। संतोष कुशवाहा ने इस लड़की को 70 हजार में सीरोन निवासी मुन्ना कुशवाहा को बेच दिया। मुन्ना कुशवाहा ने इस लड़की को अपने मानसिक विक्षिप्त लड़के के साथ शादी करने के लिए खरीदा था। कई बार बेची और खरीदी गई लड़की ने लगातार खुद पर हो रहे यौन हमलों से तंग आकर आखिरकार 10/9/20 को फांसी लगाकर ललितपुर जिले के ग्राम सीरोन में ही आत्महत्या कर ली।

आक्रोश

किसानों के साथ कांग्रेस नेताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

कृषि कानूनों के विरोध में प्रदेश में भी किसानों का चक्काजाम

भोपाल, (एजेंसी)। कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलनरत किसानों के समर्थन में प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के अन्य स्थानों पर शनिवार को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच किसानों के साथ कांग्रेस नेताओं ने चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी भोपाल के अलावा जबलपुर में भी किसानों के समर्थन में चक्काजाम किया गया। वहां कृषि कानूनों के विरोध में खजरी-खिरिया चौक पर चक्काजाम किया गया। दो घंटे चले चक्काजाम के कारण वायपास पर यातायात पूरी तहर से ठप रहा। इस दौरान किसानों ने अपनी मांग के संबंध में ज्ञापन भी सौंपा। चक्काजाम संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वाधान में किया गया, जिसमें विभिन्न किसान संगठनों के लोग भी शामिल हुए।

उधर, सतना में किसानो के चक्काजाम का आंशिक असर दिखा। जिले के अमरपाटन, रामनगर, उचेहरा, मैहर और सतना शहर के कुछ मार्गो पर किसान और कांग्रेस नेताओं ने धरना देकर थोड़े समय के लिये आवागमन को रोक दिया। वहां किसानों का चक्काजाम शांतिपूर्ण रहा और कहीं भी किसी तरह की अप्रिय स्थिति का सामना नही करना पड़ा। इसके अलावा शिवपुरी के निकट ग्राम परोड़ा के पास दोपहर ग्वालियर देवास फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग पर कृषि कानून के विरोध में जाम लगाया गया। पुलिस द्वारा मौके पर जाकर किसानों को समझाया, जिसके बाद उनके द्वारा जाम खोल दिया गया। वहीं, ग्वालियर, सागर, रीवा, उज्जैन सहित अन्य स्थानों पर भी किसानों के समर्थन में चक्काजाम किया गया।

श्योपुर में तीन हाईवे किए जाम

श्योपुर। कृषि कानून के विरोध में दिल्ली में चल रहे किसानों के आंदोलन के समर्थन में श्योपुर में भी संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों के साथ मिलकर तीन हाइवे पर चक्काजाम कर दिया। दोपहर 12 बजे से चल रहे चक्काजाम के कारण पाली हाईवे पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किसान संगठनों व किसानों ने एकत्रित होकर खातोली तिराहे पर चक्काजाम कर श्योपुर से कोटा बारां जाने वाले वाहनों को रोक दिया। उधर श्योपुर- पाली हाईवे पर भोगी का तिराहे पर चक्काजाम किया जा रहा है, जिससे श्योपुर से सवाई माधोपुर, जयपुर, टोंक, दिल्ली आदि शहरों की ओर जाने वाले वाहन जाम में थम गए।

कानूनों द्वारा किसान को गुलाम बनाने की तैयारी में केंद्र: मेघा पाटेकर

खातेगांव। भारतीय किसान यूनियन द्वारा पुलिस थाने के सामने अनिश्चितकालीन धरना दे रहे किसानों ने शनिवार को दोपहर 12 बजे नेशनल हाईवे 59ए पर चक्का जाम कर धरना दिया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता मेघा पाटेकर ने का खातेगांव पहुंचकर चक्काजाम कर रहे लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने बिना किसानों से चर्चा किए एवं अडानी अंबानी को लाभ पहुंचाने के लिए यह बिल कोरोना का बहाना बनाकर बिना चर्चा किए लेकर के आई और इस दौरान उन्होंने अदानी अंबानी के 68 हजार करोड़ रुपए माफ कर दिए यह काला कानून किसानों को पूरी तरह से बर्बाद कर देगा उनकी जमीनों को अदानी अंबानी के हाथों मे चली जाएगी। मेघा पाटकर ने कहा कि किसान पूरी तरह से इस कानून के आने से गुलामों की तरह अपनी जिंदगी जीने के लिए मजबूर हो जाएगा ।

स्ट्रीट वेंडरों को लोन देने में आनाकानी करने पर एचडीएफसी बैंक किया सील

उज्जैन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री स्व. निधि योजना अंतर्गत स्ट्रीट वेंडरों को 10 हजार रुपये का लोन-देने के लिये नगर निगम द्वारा शहर की विभिन्न बैंकों को टारगेट दिये गये लेकिन कुछ प्रायवेट बैंकों के मैनेजरों द्वारा इस योजना में रूचि न लेते हुए लोगों को लोन देने में आनाकानी की जा रही है। कलेक्टर के पास शिकायत पहुंची, उन्होंने निकास चौराहा स्थित एचडीएफसी बैंक को सील करने के निर्देश दिए, जिसके बाद सुबह नगर निगम की टीम ने बैंक पहुंचकर शटर पर अपने ताले लगाकर सील कर दिया।

सुबह करीब 9 बजे निकास चौराहा स्थित एचडीएफसी बैंक पर नगर निगम सहायक आयुक्त अपनी टीम के साथ पहुंचे। बैंक के कर्मचारी एक-एक कर यहां पहुंच रहे थे। उन्होंने ऐसा न करने की बात निगम अधिकारियों से कही। सहायक आयुक्त ने चर्चा में बताया कि बैंक मैनेजर द्वारा स्ट्रीट वेंडरों को प्रधानमंत्री स्व. निधि योजना के अंतर्गत दिये जाने वाले 10 हजार रुपये का लोन जारी करने में आनाकानी की शिकायत अधिकारियों तक पहुंची थी। बैंक के ताले शटर से निकलवाकर अपने ताले लगाये और उस पर कपड़ा बांधकर चपड़ी चिपकाने के साथ सील कर दिया।

ट्रैक्टर परेड हिंसा मामले में तीन और गिरफ्तार, पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन बीते दो महीनों से जारी है। वहीं इस कड़ी में किसानों ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया था, इस दौरान जमकर हिंसा देखने को मिली थी। तब से ही दिल्ली पुलिस इस मामले में एक्शन ले रही है। इसी क्रम में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

SIT ने की तीनों की गिरफ्तारी

पुलिस का कहना है कि ये तीनों आरोपी बुराड़ी और लाल किले पर हुई हिंसा की घटनाओं में शामिल थे। ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई हिंसा की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम ने इन तीनों को गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि इससे पहले ट्रैक्टर परेड हिंसा के मामले में एसआईटी दो और लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। यानी अब तक इस मामले में कुल 5 आरोपी को गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

25 संदिग्ध आरोपियों की तस्वीरें की गई जारी

इससे पहले दिल्ली पुलिस की *SIT* ने मामले में 25 संदिग्ध आरोपियों की तस्वीरें भी जारी की थीं। इन तस्वीरों में दीप सिद्धू की भी फोटो शामिल है। बता दें कि 26 जनवरी हिंसा मामले में दीप सिद्धू पर उपद्रवियों को लीड करने का आरोप लगा है।

दिल्ली में 8 लाख से लेकर 2 करोड़ रुपये तक फ्लैट खरीदने का मौका

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण की हाउसिंग स्कीम को लॉन्च हुए एक महीने से अधिक का समय हो चुका है। देश की राजधानी में सिर्फ 8 लाख रुपये में अपने सपनों का घर बनाने की तमन्ना रखने वाले लोग इसमें आवेदन भी कर रहे हैं। अगर आप भी दिल्ली में मात्र 8 लाख रुपये सपनों का घर खरीदने की चाहत रखते हैं तो आवेदन के लिए सिर्फ 10 दिन शेष हैं। आगामी 16 फरवरी को 8 लाख से लेकर 2 करोड़ रुपये में लॉन्च होने वाली डीडीए की हाउसिंग स्कीम खत्म हो जाएगी। ऐसे में अगर इसमें आवेदन करना चाहते हैं तो हम बता रहे हैं कि स्कीम में कितने फ्लैट हैं? कितनी कीमत है और कैसे करना होगा आवेदन।

कुल 1354 फ्लैट हैं डीडीए की स्कीम में

यहां पर बता दें कि 2 जनवरी को लॉन्च हुई डीडीए की हाउसिंग स्कीम में कुल 1,354 फ्लैट हैं। इनमें 300 के करीब फ्लैट ईडब्ल्यूएस के अंतर्गत आते हैं। इसमें आवेदन के लिए व्यक्ति की आय 3 लाख रुपये सालाना और परिवार की कुल सालाना आय 10 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्कीम के तहत नरेला इलाके में 15 जनता फ्लैट हैं, जिनकी कीमत 7 से 8 लाख रुपये हैं। ये पुराने फ्लैट्स हैं और मंगलापुरी की तुलना में छोटे हैं। वहीं, मंगलापुरी में 276 ईडब्ल्यूएस श्रेणी के फ्लैट्स हैं, जिनकी कीमत 28.50 से 29.50 लाख रुपये के बीच है। डीडीए की इस स्कीम में लग्जरी फ्लैट की कीमत 2.14 करोड़ रुपये तक हैं। महंगे फ्लैटों में एचआईजी श्रेणी के थ्री बीएचके फ्लैट हैं। रजिस्ट्री बाद ये फ्लैट 4-5 लाख रुपये महंगे हो जाएंगे। वैसे में फ्लैट की कीमत में रजिस्ट्री की कीमत शामिल नहीं होती है।

दिल्ली में महिला ने अप्राकृतिक संबंध बनाने पर पति के खिलाफ दर्ज कराया केस

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में महिला ने अपने पति पर अप्राकृतिक संबंध बनाने का केस दर्ज करवाया है। इसके साथ ही सास-ससुर समेत अन्य पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार पीड़िता परिवार के साथ न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र में रहती हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 2018 में उसकी शादी न्यू अशोक नगर इलाके में रहने वाले एक युवक से हुई थी। शादी के कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। बाद में ससुराल वाले दहेज के लिए दबाव बनाने लगे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि दहेज की की मांग पूरी न होने ससुराल वाले उसे बहुत मारते पीटते हैं। पति उसके साथ जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाता है।

एक हजार रुपये के लिए भिड़ गए चाचा-भतीजे

वहीं, न्यू उस्मानपुर इलाके में एक हजार रुपये के पीछे चाचा-भतीजा आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस मारपीट में दो लोग घायल हो गए। घायल खलील मुस्तफा व सुहैल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। खलील मुस्तफा परिवार के साथ न्यू उस्मानपुर के जगजीत नगर में रहते हैं। उनका सिलाई का कारोबार हैं।

उन्होंने पुलिस को बताया कि एक महीने पहले उन्होंने अपने चाचा अब्दुल हक को एक हजार रुपये उधार दिए थे। गुरुवार शाम को उसने चाचा से उधार के रुपये वापस मांगे। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। जिसके बाद खलील अपने घर चले गए। आरोप है कुछ देर के बाद अब्दुल हक अपने बेटे भूरे व आमिर के साथ उनके घर गए। खलील का भतीजा सुहैल मामले को शांत करवाने लगा। तीनों ने उस पर भी हमला कर दिया।

बेटे ने चुराए 46 हजार रुपये, पिता ने किया पुलिस के हवालेः उधर, जामिया नगर थाना क्षेत्र के ओखला विहार में घर से रुपये चुराने पर एक पिता ने अपने ही बेटे को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। मामला बृहस्पतिवार रात का है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान मोहम्मद साहिल के रूप में की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के लिए तैयार, कहा- 'पीएम फोन नंबर दे दें'

नई दिल्ली। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद करने की मांग को लेकर दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर हरियाणा और पंजाब के किसानों का धरना-प्रदर्शन शनिवार को 73वें दिन पहुंच गया है। वहीं, भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत एक उम्मीद बंधाते नजर आ रहे हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि 2 महीने से भी अधिक समय से धरना-प्रदर्शन कर रहे किसान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के लिए तैयार हैं। पीएम मोदी से बातचीत को लेकर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत का कहना है- 'कौन सा नंबर है? नंबर दे दो। हमने अपना नंबर उनको दे रखा है। मैंने नंबर सार्वजनिक कर रखा है। उस नंबर पर लोग मुझे गाली देते हैं। तो प्रधानमंत्री भी अपना नंबर दे दें। हम कॉल कर लेंगे उनको।'

पीएम मोदी के बुलावे का

इंतजारः राकेश टिकैत ने सकारात्मक अंदाज में कहा है कि वे पीएम मोदी के बुलावे का इंतजार कर रहे हैं। पीएम मोदी अपना नंबर उन्हें दे दें जिससे वे फोन कर सकें। दरअसल, पिछले दिनों सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के मुद्दे पर कहा था कि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर किसानों से बातचीत से बस एक फोन कॉल दूर हैं। किसान नेता जब चाहें, तब कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को फोन कर लें। इसी मुद्दे पर राकेश टिकैत ने कहा है कि पीएम मोदी अपना नंबर दे दें, वे फोन कर लेंगे। यहां पर बता दें कि भाकियू नेता पिछले तकरीबन 2 महीने से दिल्ली-यूपी के गाजीपुर बॉर्डर पर चल रहे किसानों के धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। दरअसल, 28 जनवरी को गाजीपुर बॉर्डर पर धरना खत्म करने को लेकर गाजियाबाद प्रशासन और राकेश टिकैत के बीच बातचीत हो गई थी, वह मान भी गए थे। इस बीच यह बात फैल गई कि लोनी के विधायक अपने समर्थकों के साथ आए हैं। इस दौरान किसानों पर जुल्म भी हो सकता है। इससे राकेश टिकैत नाराज हो गए और उन्होंने धरना खत्म नहीं करने का एलान कर दिया।

रेल यात्री ध्यान दें, रविवार को 4 घंटे के लिए कई ट्रेनों की आवाजाही रहेगी बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली मंडल के घरौंडा-बजीदा जटां रेलवे स्टेशन के बीच पुल पर गार्डर लगाने के काम के चलते रविवार को चार घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। इस वजह से कई ट्रेनों की आवाजाही बाधित होगी, जिससे लोगों को परेशानी स्वाभाविक है। दरअसल, फाजिल्का-दिल्ली एक्सप्रेस अंबाला छावनी पर समाप्त होगी। इसी स्टेशन से यह ट्रेन वापसी दिशा में चलेगी।

वहीं, नांदेड-अमृतसर सचखंड एक्सप्रेस नई दिल्ली तक चलेगी और यहीं से नांदेड़ के लिए रवाना होगी। खजुराहो-कुरूक्षेत्र एक्सप्रेस पानीपत स्टेशन से आगे नहीं जाएगी। वापसी दिशा में भी यह ट्रेन पानीपत से रवाना होगी। कई ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर कुछ देर के लिए रोकने का भी फैसला किया गया है, जिससे इन्हें अपने गंतव्य पर पहुंचने में देरी होगी।

अमृतसर-बांद्रा टर्मिनल पश्चिम एक्सप्रेस को अंबाला व कुरुक्षेत्र के बीच लगभग 30 मिनट तक रोककर चलाने का फैसला किया गया है। छह फरवरी को बांद्रा से चलने पश्चिम एक्सप्रेस दोपहर दो बजे रवाना होगी। नागपुर-अमृतसर एक्सप्रेस को नई दिल्ली-पानीपत के बीच 60 मिनट रोककर चलाया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में ठंड और कोहरे का असर कम तो हुआ है, लेकिन ट्रेनों का देरी से चलना जारी है। उत्तर प्रदेश, बिहारी, झारखंड और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों से आ रही ट्रेनें देरी से चल रही है। बताया जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में ट्रेनों का आवागमन सामान्य हो जाएगा।

हिरासत में लिए गए JNU से जुड़े लेफ्ट विंग SFI के करीब 8 छात्र

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में किसानों के चक्का जाम का बेहद मामूली असर है। दिल्ली में कुछ छिटपुट प्रदर्शनकारी नजर आ रहे हैं, लेकिन वे कहीं भी चक्का जाम करने में कामयाब नहीं हुए। इस बीच आइटीओ से लाल किला की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित शहीदी पार्क के सामने दोपहर एक बजकर 27 मिनट पर JNU से जुड़े लेफ्ट विंग SFI के करीब आठ स्टूडेंट अचानक पोस्टर-बैनर लेकर वहां आ गए और नारेबाजी करने लगे। दिल्ली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। वहीं, किसान संगठनों द्वारा दिल्ली में चक्का जाम नहीं करने के एलान के बावजूद कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया है। 50,000 सुरक्षा कर्मी सड़कों पर हैं। इस बीच केंद्रीय सचिवालय, जामा मस्जिद, लाल किला, जनपथ और विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए हैं। बता दें कि संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत पूरे देश में चक्का जाम का एलान किया है। वहीं, 26 जनवरी को ट्रैक्टर परेड के दौरान दिल्ली में हुई हिंसा के मद्देनजर उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस भी हाई अलर्ट पर है। 6 फरवरी को किसान संगठनों की ओर से बुलाए गए चक्का जाम को लेकर दिल्ली और हरियाणा पुलिस ने कमर कस ली है, क्योंकि दिल्ली-हरियाणा के 2 बॉर्डर पर पंजाब और हरियाणा के किसान जमा हैं। 26 जनवरी को टीकरी बॉर्डर से ही हिंसा की शुरुआत हुई थी, जो बाद में दिल्ली के कई इलाकों में फैल गई थी।

आलोक कुमार (संयुक्त सीपी, दिल्ली पुलिस) का कहना है कि 26 जनवरी जैसे हालात पैदा

नहीं हों, इसके लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। शहीदी पार्क में किसान बिलों के विरोध में प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों को पुलिस हिरासत में ले रही है। पुलिस की कोशिश है कि किसी भी सूरत में यातायात जाम न हो। 20-25 प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए हैं। प्रदर्शन करने वालों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है।

दिल्ली पुलिस ने किए कड़े इंतजाम

6 फरवरी को किसानों के चक्का जाम के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने निर्णय किया है कि अगर किसान प्रदर्शनकारी जबरन यातायात को रोकते हैं तो उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। बता दें कि गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने एलान किया है कि दिल्ली में किसान चक्का जाम नहीं करें। इसके अलावा, जहां भी किसान प्रदर्शन करेंगे वहां पर शांति रखी जाएगी। वहीं, सिंघु बॉर्डर और टीकरी बॉर्डर पर जमा किसाने नेताओं की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया है कि कहां वे प्रदर्शन करेंगे और कहां नहीं? ऐसे में दिल्ली पुलिस ने जगह-जगह पुलिस जवानों की तैनाती का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि इसमें सीआइएसएफ और आरएएफ के जवान भी उनकी मदद करेंगे।

वहीं, हरियाणा सरकार ने भी अपने आदेश में कहा है कि स्थानीय नेताओं से संपर्क कर उनसे समन्वय किया जाएगा। 6 फरवरी को चक्का जाम के चलते जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

कांस्टेबल ने तस्कर को बेच दिया अवैध शराब, जब पोल खुली तो हैरान रह गई पुलिस

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के कंझावला इलाके में प्रखर वाहन पर तैनात पुलिसकर्मियों ने एक कार में 50 पेटी शराब बरामद की, लेकिन थाने में मात्र 30 पेटी की ही बरामदगी दिखाई। बाकी शराब में से कुछ अपने पास रख लिया तो कुछ दूसरे शराब तस्कर को मौके पर ही बेच दिया। स्थानीय थाना पुलिस की जांच में सच्चाई सामने आ गई। ऐसे में कंझावला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर बुधवार को प्रखर वाहन पर तैनात एक पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में तीन और पुलिसकर्मी की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक कंझावला इलाके में प्रखर वाहन पर तैनात पुलिसकर्मियों ने एक वेगन आर कार को शराब तस्करी में पकड़ा था। पुलिसकर्मियों ने थाना पुलिस को बताया कि कार में 30 पेटी शराब थी। कंझावला थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। सबसे पहले कार मालिक प्रवीन कुमार को पकड़ा गया। उसने बताया कि 50 पेटी शराब हरियाणा के बहादुरगढ़ से दलबीर मान के यहां से अवैध तरीके से खरीदी गई थी। इस कार को नीरज नाम का चालक चला रहा था। प्रवीन ने पुलिस को बताया कि प्रखर पर तैनात पुलिसकर्मियों ने जब कार को रोका था तो चालक वहां से फरार हो गया था, लेकिन मौके पर पुलिसकर्मी कार से एक दूसरे कार में शराब की पेटियां डाल रहे थे।

दस हजार रुपये में बेची शराब

प्रवीन की बातों की पुष्टि करने के लिए पुलिस ने प्रखर वाहन पर तैनात पुलिसकर्मियों का फोन विवरण निकाला। जिसमें पता चला कि कांस्टेबल सत्यवान ने एक कुलदीप नाम के शराब तस्कर को फोन किया था। और उसे वारदात वाले दिन मौके पर बुलाया था।

फिर पुलिस ने कुलदीप को पकड़ा। कुलदीप ने बताया कि कांस्टेबल सत्यवान ने उसे दस हजार रुपये में 12 पेटी शराब बेची थी। पुलिस ने बुधवार को आरोपित सत्यवान को गिरफ्तार कर लिया है। अवैध शराब पर लगाम लगाने के लिए एसएचओ कंझावला की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस सूत्रों से पता चला है प्रखर वाहन पर तैनात कई पुलिस कर्मी व अधिकारी भी इस मामले में संलिप्त हो सकते हैं। उनकी भी भूमिका की जांच की जा रही है।

दिल्ली में लगेगी 'घर-घर लोक अदालत', गाड़ियों के चालान का होगा निस्तारण

नई दिल्ली। दिल्ली में लॉकडाउन और उससे पहले से लंबित यातायात चालानों के निस्तारण के लिए अब दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने यातायात की विशेष लोक अदालतें लगाने की तैयारी की है। ये लोक अदालतें 14 फरवरी को लगाई जाएंगी, लेकिन इस बार न्यायालय परिसर की जगह लोक अदालतों का आयोजन आरडब्ल्यूए के सहयोग से कॉलोनियों में होगा। इसलिए इस बार लोक अदालत को 'घर-घर लोक अदालत' का नाम दिया गया है। डीएसएलएसए के विशेष सचिव गौतम मनन ने बताया कि 14 फरवरी को डीएसएलएसए की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिससे लोग असानी से अपने चालानों का निस्तारण करा सकें। उन्होंने बताया कि इसके लिए लोगों को सिर्फ अपनी गाड़ी का नंबर लेकर लोक अदालत में जाना होगा और मौके पर ही चालानों का निस्तारण कर दिया जाएगा। मनन ने बताया कि लाखों की संख्या में यातायात चालान लंबित होने के चलते एक जिले में तीन लोक अदालतें लगाई जाएंगी।

सच्चाई खुली तो किसान आंदोलन बनेगा जनांदोलन : विक्रांत निर्मला सिंह

नई दिल्ली। तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन कृषि कानून सिर्फ किसानों की समस्या नहीं हैं। यह निम्न और मध्यम वर्ग की भी समस्या हैं। पहला कानून कृषि मंडियों की प्रासंगिकता को खत्म कर देगा। दूसरा कानून कांट्रेक्ट फार्मिंग के जरिये देश के 14 करोड़ किसान मजदूरों के समक्ष बेरोजगारी का संकट उत्पन्न कर देगा। तीसरा कानून महंगाई का दस्तावेज है जो मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए बड़ा संकट बनने जा रहा है।

तेज होगी आंदोलन की रफ्तार

आने वाले समय में जब ये दोनों वर्ग भी खुद को इन कानूनों के जरिए ठगा महसूस करेंगे तो आंदोलन की रफ्तार और तेज हो जाएगी। ये बात काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के फाइनेंस एंड इकनॉमिक थिंक काउंसिल के संस्थापक एवं अध्यक्ष विक्रांत निर्मला सिंह ने अपने अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर कही हैं।

चक्का जाम किसानों के आंदोलन की एक कड़ी है। दिल्ली के सिंघु और गाजीपुर बॉर्डर पर किसान बीते ढाई महीने से आंदोलित हैं और वे तीनों कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग कर रहे हैं। एक बातचीत में विक्रांत निर्मला सिंह कहते हैं वर्तमान कृषि आंदोलन को एक विशेष राज्य और एक विशेष समूह तक सीमित बताया जा रहा है। यह बात सही भी है क्योंकि वर्तमान कृषि आंदोलन पंजाब और हरियाणा के किसानों के बीच अधिक दिख रहा है।

कानूनों का सबसे अधिक प्रभाव पंजाब और हरियाणा में

वह कहते हैं कि इसका एक ठोस कारण यह भी है कि इन तीनों कृषि कानूनों का सबसे अधिक प्रभाव पंजाब और हरियाणा में ही रहने वाला है। पंजाब और हरियाणा में देश की सबसे अधिक कृषि मंडियां हैं और वहां के किसान मंडियों के जरिये एमएसपी के लाभ को जानते हैं। बाकी देश के अन्य हिस्से जिनमें प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को कृषि की मूलभूत जरूरतों और कृषि मंडियों से दूर रखा गया।

फाइनेंस एंड इकनॉमिक थिंक काउसिंल के संस्थापक कहते हैं ऐसा इसलिए है क्योंकि हमेशा से इस आर्थिक सोच को प्रभावी बनाना था कि

कृषि एक लाभ का क्षेत्र नहीं है और कभी भी किसानों को एक बड़ी 'बारगेनिंग पावर' नहीं बनने देना था।

सामान्य जन के लिए होंगे चुनौती का कारण

वह कहते हैं कि आज यह सफल होता भी दिख रहा है, लेकिन, तीनों नए कृषि कानून सिर्फ किसानों के नजरिए से विरोध का कारण नहीं हैं, बल्कि यह सामान्य जन के लिए भी निकट भविष्य में चुनौती का कारण बन सकते हैं। उनके मुताबिक पहला कानून जिसका नाम 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020' है, यह कानून निकट भविष्य में सरकारी कृषि मंडियों की प्रासंगिकता को शून्य कर देगा। वह कहते हैं कि सरकार निजी क्षेत्र को बिना किसी पंजीकरण और बिना किसी जवाबदेही के कृषि उपज के क्रय-विक्रय की खुली छूट दे रही है। इस कानून की आड़ में सरकार निकट भविष्य में खुद बहुत अधिक अनाज न खरीदने की योजना पर काम कर रही है।

उनके मुताबिक सरकार चाहती है कि अधिक से अधिक कृषि उपज की खरीदारी निजी क्षेत्र करें ताकि वह अपने भंडारण और वितरण की जवाबदेही से बच सके।

विक्रांत निर्मला सिंह कहते हैं कि सोचिए कि अगर निकट भविष्य में कभी कोरोना जैसी विषम परिस्थिति का सामना करना पड़ा तो उस दौरान सरकार खुद लोगों को बुनियादी खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए निजी क्षेत्र से खरीदारी करेगी।

नया बाजार इनकी प्रासंगिकता को खत्म कर देगाः वहीं, वह इसे अपने बड़े एफसीआई गोदामों से लोगों को मुफ्त में उपलब्ध करा रही है। साथ ही सरकारी कृषि मंडियों के समानांतर आसान शर्तों पर खड़ा किया जाने वाला नया बाजार इनकी प्रासंगिकता को खत्म कर देगा और जैसे ही सरकारी मंडियों की प्रासंगिकता खत्म होगी, ठीक उसी के साथ एमएसपी का सिद्धांत भी प्रभावहीन हो जाएगा क्योंकि मंडियां एमएसपी को सुनिश्चित करती हैं।

दूसरे कानून 'कृषि (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत अश्वासन और कृषि सेवा करार विधेयक, 2020 के संबंध में वह कहते हैं कि इसकी अधिक चर्चा कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के विवाद में समाधान के मौजूदा प्रावधानों के संदर्भ में की जा रही है। इस कानून का पूरा विरोध इस तथ्य पर हो रहा है कि इसके जरिए किसानों को विवाद की स्थिति में सिविल कोर्ट जाने से रोका गया है।

किसानों का बिल्कुल ठीक विरोध है

आर्थिक विचारक कहते हैं कि किसानों का बिल्कुल ठीक विरोध है। लेकिन, इसके साथ ही साथ एक और हिस्सा है जहां ध्यान देने की जरूरत है। कांट्रैक्ट फार्मिंग के इस कानून की वजह से देश में भूमिहीन किसानों के एक बहुत बड़े वर्ग के जीवन पर गहरा संकट आने वाला है। 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में कुल 26.3 करोड़ परिवार खेती-किसानी के कार्य में लगे हुए हैं। इसमें से महज 11.9 करोड़ किसानों के पास खुद की जमीन है। जबकि 14.43 करोड़ किसान भूमिहीन हैं। भूमिहीन किसानों की एक बड़ी संख्या 'बंटाई' पर खेती करती है।

भूमि के मालिक से कुल पैदावार की आधी फसल पर बंटाई बोई जाती है। ग्रामीण इलाकों का यह अपना एक प्रचलित खेती करने का तरीका है। इस नए कानून के जरिए पूंजीपतियों को कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के लिए खुली छूट दी जा रही है। वह कहते हैं कि एक बड़ी कंपनी बड़ी आसानी से किसी किसान से उसकी भूमि 5 साल की अवधि के लिए एकमुश्त एडवांस पर ले सकती है। लेकिन, गांव का एक भूमिहीन किसान यह करने में असमर्थ रहेगा। ऊपर से भारत के किसानों का एक बड़ा हिस्सा अशिक्षित है जो कि कानूनी अनुबंध करने में खुद को असहज पाएगा। ऐसी परिस्थिति में भूमिहीन किसानों का पूरा जीवन खत्म हो जाएगा।

Chhor Denge' Song Release

नोरा फतेही की अदाओं पर फिदा हुए फैंस

बॉलीवुड में अपने जबरदस्त डांस के दम पर अपनी पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस नोरा फतेही (Nora Fatehi) का एक नया गाना छोड़ देंगे (Chhor deinge)' रिलीज हो चुका है. इस गाने का लोगों को बेसब्री से इंतजार था, जो आज खत्म हो गया है. इस गाने में नोरा के धमाकेदार डांस और जबरदस्त एक्सप्रेशन के लोग दीवाने हो गए हैं. रिलीज के साथ ही नोरा का यह गाना सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है.

गाने में नोरा एक बंजारन के लुक में नजर आ रही हैं. खुले लंबे बाल और लहंगे में नोरा बेहद खूबसूरत लग रही हैं. नोरा का लुक उनके फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है. एक्ट्रेस के फैन कमेंट करते हुए उनके लुक की तारीफ किए जा रहे हैं. हालांकि, इससे पहले भी कई बार नोरा देसी लुक में नजर आ चुकी हैं. कई बार साड़ी में भी वह अपने लटके-झटके से डांस दीवानों को घायल कर चुकी हैं. लेकिन, उनका यह लुक बेहद कातिलाना लग रहा है. एक्ट्रेस के फैन उनके इस नए लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे. नोरा का कमेंट बॉक्स भी उनकी तारीफों से भरा पड़ा है.

बता दें, नोरा फतेही अपने शानदार डांस मूव्स और जबरदस्त फैशन सेंस से हमेशा ही फैंस का दिल जीतती आई हैं. अपनी डांसिंग के दम पर नोरा इंडस्ट्री का जाना-माना चेहरा बन गई हैं. सोशल मीडिया पर नोरा फतेही मिलियन्स में फॉलोअर हैं, जो उनकी हर अदा पर फिदा हैं. नोरा फतेही अपने डांस स्टाइल को लेकर अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रेंड होती रहती हैं और सुर्खियां बटोर लेती हैं. उनके गानों पर लाखों व्यूज आते हैं.

नोरा फतेही (Nora Fatehi) का एक नया गाना छोड़ देंगे (Chhor deinge)' रिलीज हो चुका है. इस गाने का लोगों को बेसब्री से इंतजार था, जो आज खत्म हो गया है.

पहली फिल्म 'मैंने प्यार किया' के लिए अपनी इस दोस्त से डांस सीखकर गए थे सलमान खान

सलमान खान की भले ही एक्टिंग के साथ ही डांस के लिए भी सराहना की जाती है, लेकिन एक दौर था, जब वह नृत्य की कला में कमजोर थे। यहां तक कि उन्हें जब पहली फिल्म 'मैंने प्यार किया' में एक्टिंग का मौका मिला तो उन्हें डांस सीखना पड़ा था। दरअसल सूरज बड़जात्या ने अपनी फिल्म मैंने प्यार किया के लिए सलमान खान को हीरो चुन लिया था। यह उनके करियर की पहली फिल्म थी। सलमान को ऑडिशन के बाद ही यह रोल मिला था। इसके बाद सलमान खान को एक फोन आया कि उन्हें डांस का ऑडिशन भी देना होगा। इससे सलमान खान परेशान हो गए और फिर वह अपनी एक मित्र के पास गए। उन्हें उनकी एक दोस्त ने डांस सिखाया और कहा कि कल मैं भी तुम्हारे साथ हौसलाफजाई के लिए स्टूडियो चलूंगी।

सलमान खान जब ऑडिशन के लिए पहुंचे तो जो सीखा था, वह भूल चुके थे। बहरहाल उन्होंने डांस किया, लेकिन उनके स्टेप जहां-तहां पड़ रहे थे। यह देखकर उनकी वहां से चली गई थीं। लेकिन सलमान खान के डांस में एक स्टाइल थी और यह सूरज बड़जात्या को पसंद आया। इस तरह सलमान को करियर की पहली मूवी मिली, जो काफी हिट रही। बता दें कि वह मित्र कोई और नहीं बल्कि फराह खान थीं। इस फिल्म में सलमान की एक्ट्रेस भाग्यश्री थीं। दोनों की ही एक्टिंग को फिल्म में काफी पसंद किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि भाग्य श्री के लिए भी यह डेब्यू फिल्म थी।

सलमान खान की यह फिल्म हिट रही थी और फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। यही नहीं आज के दौर के बेहद लोकप्रिय टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा के लीड रोल जेठालाल का कैरेक्टर प्ले करने वाले दिलीप जोशी ने भी इस फिल्म में काम किया था। सलमान खान के साथ उन्होंने भी इस फिल्म से एक्टिंग में अपना डेब्यू किया था।

इस फिल्म में रामू के कैरेक्टर में दिलीप जोशी की एक्टिंग की भी काफी सराहना की गई थी। इस फिल्म के बाद से ही सलमान खान और दिलीप जोशी की दोस्ती का सिलसिला शुरू हुआ था। कहा जाता है कि अब भी दोनों काफी अच्छे दोस्त हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस संग शादी करने से पहले किया था इस नियम का वादा

बॉलीवुड-हॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिकी सिंगर-एक्टर निक जोनस संग शादी की है। प्रियंका ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में निक जोनस संग शादी से पहले किए एक वादे को लेकर बताया। शादी से पहले दोनों ने एक-दूसरे से वादा किया था कि वह हर तीसरे हफ्ते में मिलेंगे, फिर चाहे उन्हें दूसरे देश में ही फ्लाइट लेकर क्यों न ट्रेवल करना पड़े।

साल 2018 में उदयपुर के पैलेस में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने सात फेरे लिए थे। दोनों की शादी की फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। ऐल यूके संग बातचीत मे प्रियंका चोपड़ा ने कहा, हम शूटिंग रहने के चलते एक-दूसरे को हर तीसरे हफ्ते मिलते हैं। दुनिया में हम दोनों कहीं भी क्यों न हों, एक-दूसरे से मिलने के लिए फ्लाई करके जाते हैं। महीने में कुछ दिन साथ बिताने की कोशिश करते हैं। शादी से पहले हम दोनों ने ही इस नियम को करने का वादा किया था।

प्रियंका आगे कहती हैं कि हम दोनों की टीम आपस में बात करती हैं मेरी टीम कहती हैं कि प्रियंका को हम यहां शिड्यूल कर रहे हैं वह इस समय फ्री हैं। हमें इस तरह प्लान करना होगा। मालूम हो कि प्रियंका चोपड़ा ने दिसंबर के महीने में अपनी दूसरी एनिवर्सरी सेलिब्रेट की थी।

प्रियंका ने कहा था कि समय लंबा हो गया है, लेकिन ऐसा लगता है कि ये सारा समय चुटकी बजाते हुए बीत गया हो। मैं बयां नहीं कर सकती। काफी अजीब है, मैं नहीं जानती लाइफ कैसी थी निक से मिलने से पहले।

इस महीने किसी भी दिन मां बन सकती हैं

करीना कपूर

बेबी बंप शो करते हुए शूट किया वीडियो

एक्ट्रेस करीना कपूर इसी महीने मां बनने वाली हैं। फिलहाल उनकी प्रेगनेंसी का आखिरी महीना चल रहा है और हमेशा की तरह ही इस टाइम को भी वह एंजॉय कर रही हैं। इस बीच गुरुवार को करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए करीना कपूर ने कैप्शन में लिखा है, %9 महीने और लगातार हो रही हूं मजबूत। वीडियो में उन्होंने अपने दोनों हाथों से बेबी बंप को थाम रखा है और एक बार कैमरे की तरफ देखती हैं, जबकि दूसरी बार बेबी बंप की ओर इशारा करती हैं ।इस वीडियो में करीना कपूर का लुक भी काफी बदला हुआ नजर आ रहा है। करीना कपूर ने मैक्सी पहन रखी है। इसके अलावा हेयर स्टाइल भी बदला हुआ दिख रहा है। इसके अलावा करीना कपूर ने अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह पिंक टी-शर्ट में नजर आ रही हैं। करीना कपूर और सैफ अली खान इसी महीने पैरेंट्स बनने वाले हैं। 4 वर्षीय तैमूर अली खान की मां करीना का यह दूसरा बच्चा होगा। वहीं सैफ अली खान चौथी बार पिता बनेंगे। पहली पत्नी अमृता सिंह से भी उनके दो बच्चे सारा अली खान और इब्राहिम हैं ।सैफ अली खान और करीना कपूर ने बीते साल अगस्त में ही अपने घर नन्हा मेहमान आने की खुशी फैन्स के साथ शेयर की थी। करीना कपूर और सैफ अली खान ने बयान जारी कर कहा था, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जल्दी ही हमारे परिवार का विस्तार होने वाला है। आप सभी लोगों के प्यार और समर्थन के लिए शुक्रिया।% बता दें कि करीना और सैफ की ओर से इसकी जानकारी दिए जाने के पहले ही इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि वह प्रेगनेंट हैं। यही नहीं उनके पिता रणधीरण कपूर ने भी बातचीत में कहा था, उम्मीद है कि यह खबर सही होगी। मुझे इस बात की खुशी होगी। दो बच्चे तो होने ही चाहिए।बता दें कि प्रेगनेंसी पीरियड के दौरान भी करीना कपूर काफी एक्टिव नजर आई हैं। विज्ञापनों की शूटिंग के अलावा करीना कपूर अकसर अपने दोस्तों और परिवार के लोगों के साथ पार्टी करती नजर आई हैं। बीते साल नवंबर और दिसंबर के दौरान वह सैफ अली खान और तैमूर के साथ हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में छुट्टियां बिताने गई थीं। वहीं सैफ अली खान यहां भूत पुलिस मूवी की शूटिंग के लिए गए थे।

श्रीसंत का जन्म दिनः 38 साल की उम्र में आईपीएज की वापसी की कोशिश में जुटे, भारत की दो वर्ल्ड कप जीत का रहे हैं हिस्सा

नई दिल्ली। भारत के फास्ट बॉलर एस श्रीसंत शनिवार को 38 साल के हो गए। 2013 में IPL स्पॉट फिक्सिंग में फंसने से पहले वे भारत के लिए 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी-20 इंटरनेशनल खेल चुके थे। श्रीसंत एक बार फिर IPL में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने 18 फरवरी को होने वाली नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन भी कराया है और अपना बेस प्राइस 75 लाख रुपए रखा है।

2007 टी20 और 2011 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेल चुके हैं श्रीसंत

भारतीय टीम ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में श्रीसंत भी खेले थे। उन्होंने इस मैच में पाकिस्तान के कप्तान मिस्बाह-उल-हक का कैच पकड़ा था। उसी कैच के साथ

भारत चैंपियन बना था। इसके अलावा वे 2011 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे।

श्रीसंत के दम पर साउथ अफ्रीका में मिली थी पहली टेस्ट जीत

श्रीसंत को उनकी आउट स्विंग गेंदबाजी और शानदार सीम पॉजीशन के लिए जाना जाता रहा है। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ही भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साउथ अफ्रीका में पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। 2006 में जोहांसबर्ग टेस्ट में श्रीसंत ने आठ विकेट लिए थे और भारत ने साउथ अफ्रीका को 102 रन से हराया था। श्रीसंत ने पहली पारी में 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे। उन्होंने साउथ अफ्रीका के कप्तान ग्रीम स्मिथ, हाशिम अमला, जैक कैलिस, मार्क बाउचर, शॉन पोलक का विकेट लिया था। श्रीसंत ने दूसरी पारी 59 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

2006 में वेस्टइंडीज से सीरीज 1-0 से जीतने में निभाया था अहम रोल

2006 में वेस्टइंडीज दौरे पर भारत ने चार टेस्ट मैचों की सीरीज में वेस्टइंडीज को 1-0 से हराया था। तीन टेस्ट मैचों के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी। चौथा और निर्णायक मैच किंग्सटन में खेला गया। इस मैच में इंडिया ने वेस्टइंडीज को 49 रन से हराकर सीरीज को 1-0 से कब्जा जमाया था। इस मैच में श्रीसंत ने 72 रन देकर 5 विकेट लिए थे। इनमें ब्रायन लारा और क्रिस गेल का विकेट भी शामिल था। श्रीसंत 2013 में स्पॉट फिक्संग में आरोपी बने थे। इससे पहले वे इस लीग में कुल 44 मैच खेलते हुए 40 विकेट लिए थे। उनकी इकोनॉमी 8.14 की रही थी। 29 रन देकर 3 विकेट उनका बेस्ट परफॉर्मेंस था। एस श्रीसंत क्रिकेटर होने के साथ-साथ अच्छे डांसर भी रहे हैं। उन्होंने लोकप्रिय डांस शो वूगी-वूगी में भी हिस्सा लिया था। इसके अलावा वे रियलिटी शो बिग बॉस सीजन-11 के फर्स्ट रनर अप भी रह चुके हैं।

'सहवाग की तरह विरोधी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ने में माहिर हैं पंत'

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि भारत के ऋषभ पंत में वीरेंद्र सहवाग की तरह विरोधी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ने की क्षमता है और इसी फॉर्म में खेलते रहने पर वह भारत के लिये मैच जीत सकता है। ऑस्ट्रेलिया में पिछले महीने भारत की ऐतिहासिक जीत के शिल्पकारों में से एक पंत को आईसीसी ने महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकित किया। वॉन ने स्काय स्पोटर्स से कहा , वह बेन स्टोक्स के साथ सबसे ज्यादा मनोरंजक क्रिकेटरों में से है। वह बल्लेबाजी करता है तो मैं जरूर देखता हूं।उन्होंने कहा , वह 11 साल के

बच्चे की तरह इसी उत्साह और ऊर्जा के साथ खेलता रहा तो विरोधी टीमों के लिये बड़ी चुनौतियां पेश करेगा। उन्होंने कहा , सहवाग विरोधी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ देता था और पंत में भी वही क्षमता है। वह गलतियां करेगा और कम स्कोर पर भी आउट हो जायेगा लेकिन मैच भी जितायेगा। गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड के बीच 5 फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट चेन्नई में 5 फरवरी से 9 के बीच खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट भी चेन्नई में ही 13 फरवरी से खेला जाएगा। आखिरी के दो टेस्ट अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसके अलावा इंग्लैंड के साथ 12 मार्च से पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेला जाएगा। जबकि 23 मार्च से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी।

रूट करियर के 98वें, 99वें और 100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने

चेन्नई। भारत और इंग्लैंड के बीच चेन्नई में पहला टेस्ट खेला जा रहा है। कप्तान जो रूट ने टेस्ट करियर की 20वीं सेंचुरी लगाई।

रूट का यह 100वां टेस्ट है। वे 100वें टेस्ट में शतक जड़ने वाले दुनिया के 9वें और इंग्लैंड के तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने लगातार तीन टेस्ट में शतक लगाया है। वे 98वें, 99वें और 100वें टेस्ट में शतक जड़ने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने। चेन्नई टेस्ट से पहले रूट ने श्रीलंका के खिलाफ इसी महीने दो टेस्ट में 2 सेंचुरी लगाई थी। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में 228 रन और दूसरे टेस्ट में 186 रन बनाए थे।

बर्न्स और सिबली ने इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत दी

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम को ओपनर रोरी बर्न्स और सिबली ने अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 63 रन की पार्टनरशिप की। इंग्लैंड को पहला झटका रोरी बर्न्स के रूप में लगा। वे 33 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें रविचंद्रन अश्विन ने विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। वहीं, डैनियल लॉरेंस शून्य पर पवेलियन लौटे। उन्हें

जसप्रीत बुमराह ने LBW किया।

रूट और सिबली ने तीसरे विकेट के लिए 200 रन जोड़े

रूट और सिबली ने तीसरे विकेट के लिए 200 रन की पार्टनरशिप कर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सिबली ने टेस्ट करियर की चौथी फिफ्टी लगाई। यह उनकी लगातार दूसरी फिफ्टी रही। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने 56 रन बनाए थे। भारत की ओर से बुमराह को 2 और रविचंद्रन अश्विन को 1 विकेट मिला।

रूट ने भारत में लगातार 7वें टेस्ट में 50+ रन बनाए

रूट ने टीम इंडिया के खिलाफ 17 टेस्ट में 5 सेंचुरी लगाई हैं। उन्होंने भारत में 7 टेस्ट खेले हैं। उन्होंने इन सभी टेस्ट में फिफ्टी या इससे ज्यादा रन बनाए हैं।

बुमराह ने विदेश में सबसे ज्यादा टेस्ट खेलने के बाद भारत में टेस्ट खेला

जसप्रीत बुमराह पहली बार भारत में टेस्ट मैच खेल रहे हैं। वे डेब्यू से लेकर अब तक 17 टेस्ट विदेश में खेल चुके हैं। भारतीय खिलाड़ियों में उन्होंने जवागल श्रीनाथ का रिकॉर्ड तोड़ा। श्रीनाथ ने 12 टेस्ट विदेश में खेलने के बाद भारत में पहला मैच खेला था। आरपी सिंह ने 11, सचिन तेंदुलकर और आशीष नेहरा ने 10-10 टेस्ट विदेश में सबसे ज्यादा टेस्ट खेलने के बाद भारत में पहला मैच खेला था।

रूट 100वां टेस्ट खेलने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी

रूट 100 टेस्ट खेलने वाले वाले इंग्लैंड के 15वें क्रिकेटर हैं। वे यह उपलब्धि पाने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। रूट फिलहाल 30 साल 37 दिन के हैं। सबसे कम उम्र में 100 टेस्ट खेलने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के नाम है। उन्होंने 28 साल 353 दिन की उम्र में 100वां टेस्ट खेला था।

गाबा के हीरो टीम इंडिया में नहीं किए गए शामिल

चेपक स्टेडियम में खेले जा रहे इस टेस्ट में भारत 3 स्पिनर्स के साथ उतरा। इसमें रविचंद्रन अश्विन, वॉशिंगटन सुंदर और शाहबाज नदीम शामिल रहे। जबकि, इशांत शर्मा की चोट के बाद टीम इंडिया में वापसी हुई। टॉस से पहले ही टीम इंडिया को झटका लगा। ऑलराउंडर अक्षर पटेल घुटने में चोट की वजह से पहले टेस्ट से बाहर हो गए। गाबा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हासिल करने वाली टीम के 4 खिलाड़ी इस टेस्ट से बाहर हैं। ये खिलाड़ी शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मयंक अग्रवाल और टी. नटराजन हैं।

अर्जुन तेंदुलकर IPL की नीलामी में शामिल, हरभजन, श्रीसंत और पुजारा का ये है बेस प्राइस

नई दिल्ली। चेन्नई में इस साल होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों के नामांकन की गुरुवार 4 फरवरी आखिरी तारीख थी। पूरी दुनिया से कुल 1097 खिलाड़ियों ने इसके लिए अपना नामांकन कराया है।

इसमें 814 भारतीय और 283 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। आइपीएल की नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों कि लिस्ट में भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन के साथ हरभजन सिंह और चेतेश्वर पुजारा के अलावा एस श्रीसंत भी हैं।

इस साल होने वाले आइपीएल के 14वें एडिशन से पहले होने वाली नीलामी में कुछ नाम ऐसे हैं जो चर्चा का विषय रहेंगे। इसमें अर्जुन तेंदुलकर, हरभजन सिंह, चेतेश्वर पुजारा के साथ 7 साल बाद वापसी करने वाले तेज गेंदबाज एस श्रीसंत हैं। चलिए आपको बतातें हैं कि कौन सा खिलाड़ी किस बेस प्राइस पर नीलामी में शामिल होगा।अर्जुन ने इस साल बीसीसीआई के घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई की टीम की तरफ से मैच खेला था। यह मैच खेलने के साथ ही वह आइपीएल की नीलामी में शामिल होने की

योग्यता हासिल करने वाले खिलाड़ी बन गए। 20 लाख की न्यूनतम बेस प्राइस के साथ अर्जुन इस साल की नीलामी में शामिल होंगे।हरभजन सिंह ने पिछले सीजन में कोरोना महामारी फैलने की वजह से टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। नीलामी से पहले टीम द्वारा रिलीज किए जाने वाले खिलाड़ियों की आखिरी तारीख से पहले भज्जी ने चेन्नई सुपर किंग्स को उन्हें रिलीज करने की गुजारिश की थी। 2 करोड़ की बेस प्राइस के साथ वह इस नीलामी में शामिल होंगे। वहीं आइपीएल से 7 साल का प्रतिबंध झेलने के बाद वापसी करने वाले एस श्रीसंत 75 लाख की बेस प्राइस के साथ नीलामी में होंगे।

हरभजन सिंह के अलावा 2 करोड़ की बेस प्राइस के साथ नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में ग्लेन मैक्सवेल, केदार जाधव, स्टीव स्मिथ, मोईन अली, सैम बिलिंग्स, लियम प्लंकेट, जेसन रॉय, मार्क वुड और कोलिन इनग्राम शामिल हैं।

भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने वाले चेतेश्वर पुजारा आइपीएल के मिनी ऑक्शन में 50 लाख जबकि हनुमा विहारी का 1 करोड़ की बेस प्राइस के साथ इसमें शामिल होंगे।

लार पर बैन से जसप्रीत बुमराह परेशान, बोले- इसके बिना गेंदबाज हो गए पंगु

चेन्नई। टीम इंडिया तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि लार पर प्रतिबंध लगाने से गेंदबाज पंगु बन गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद इस तेज गेंदबाज ने स्वीकार किया कि लार के बिना गेंद की चमक बनाए रखना मुश्किल है। बुमराह ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, भारत में गेंद आसानी से खुरदुरी हो जाती है। इसलिए आपको उसका एक हिस्सा चमकाना पड़ता है लेकिन पसीने से ऐसा संभव नहीं है। आप पसीने से एक हिस्से को भारी नहीं कर सकते और इससे फायदा नहीं होता है। लेकिन यह नियम है और हमें परिस्थितियों के अनुसार ही आगे बढ़ना होगा। उन्होंने आगे कहा, गेंद कुछ समय बाद नरम पड़ने लगी थी जबकि विकेट सपाट था और उससे उछाल नहीं मिल रही थी। आपके पास गेंद को चमकाने के लिए बहुत कम विकल्प हैं।

हम सीमित विकल्पों के बीच उपाय तलाशने की कोशिश कर रहे हैं।पहले दिन दो विकेट लेने वाले बुमराह ने कहा, हां यह तब मुश्किल बन जाता है जब गेंद नरम हो जाती है और कोरोना के नियमों के कारण आप उसे चमका नहीं सकते हो। हम लार का उपयोग नहीं कर सकते हैं और तब गेंद की चमक बनाए रखना बेहद मुश्किल होता है। बता दें कि टीम इंडिया के लिए 17 मैच खेल चुके बुमराह भारत में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।

ईशांत शर्मा को मौका दिए जाने पर मदन लाल ने उठाए सवाल

चेन्नई। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट में पहला दिन इंग्लैंड के नाम रहा। कप्तान जो रूट की शतकीय पारी और सिब्ले की अर्धशतकीय पारी की बदौलत इंग्लैंड एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ रहा है।

भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। चोट के बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा भी अब तक कुछ खास प्रभावित नहीं कर पाए। ईशांत के चयन को लेकर पूर्व भारतीय कोच मदन लाल ने सवाल खड़ा किया है।

टी ब्रेक के बाद अश्विन को देर से बॉलिंग देने पर हैरान हुए लक्ष्मण

स्पोर्ट्स तक से बातचीत के दौरान मदन लाल ने कहा,'मुझे लगता है कि भारतीय टीम बैलेंस बॉलिंग अटैक के साथ नहीं खेल रही है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम को तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर के साथ खेलना चाहिए था। ईशांत शर्मा अभी चोट से वापसी कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें 1-2 टेस्ट मैच के बाद मौका देना चाहिए था। उन्होंने मोहम्मद सिराज को ड्रॉप कर दिया जिसने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शानदार गेंदबाजी की थी।

विराट-रोहित के इस फोटो पर मीम्स बनाकर फैन्स ने पहला दिन बनाया मजेदार

भारत के पूर्व कोच ने कहा, अगर आप अपनी बैटिंग लाइनअप में गहराई लाना चाहते हैं तो आपको शार्दुल ठाकुर को वाशिंगटन सुन्दर की जगह मौका देना चाहिए था। साथ ही शाहबाज नदीम की जगह कुलदीप यादव को मौका मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा, जो रूट ने शानदार शतकीय पारी खेली है। अगर इंग्लैंड पहली पारी में 450 रन बनाने में कामयाब होता है तो दबाव भारत पर आ जाएगा।

पाकिस्तान ने की वापसी, दूसरे दिन साउथ अफ्रीका के 106 रन पर गिरे 4 विकेट

रावलपिंडी। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला रावलपिंडी में खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन मेजबान पाकिस्तान ने पहली पारी में 272 रन बनाने के बाद साउथ अफ्रीका के पहली पारी में चार विकेट गिरा दिए थे। बारिश से बाधित मुकाबले में दिन का खेल खत्म होने तक साउथ अफ्रीका ने 106 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। तेंबा बवुमा और कप्तान क्विंटन डिकॉक क्रीज पर मौजूद थे।

दूसरे दिन पाकिस्तान ने 3 विकेट पर 145 रन से आगे खेलने शुरू किया और एनरिच नॉर्त्जे की शानदार गेंदबाजी के आगे 272 रन ही बना पाई। नॉर्त्जे ने 24.3 ओवर में 56 रन देकर 5 विकेट हासिल किए जबकि केशव महाराज ने 3 पाकिस्तानी बल्लेबाजों को आउट किया। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में चार विकेट के नुकसान पर 106 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान क्विंटन डिकॉक 15 और तेंबा बावुमा 24 रन बनाकर क्रीज पर हैं। पहली पारी के आधार पर दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी पाकिस्तान से 166 रन पीछे है। पाकिस्तान ने पहली पारी में 272 रन बनाए थे। पहले दिन तीन विकेट गंवाकर

पाकिस्तान टीम मुश्किल में थी तब कप्तान बाबर आजम ने फवाद आलम के साथ मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। बारिश से बाधित पहले दिन के स्कोर तीन विकेट पर 145 रन से आगे खेलते हुए शुक्रवार को बाबर आजम अर्धशतक के बाद 77 रन पर पवेलियन लौटे और फवाद आलम 45 रन बनाकर रनआउट हो गए। निचले क्रम से इस सिलसिले को आगे बढ़ाने का जिम्मा फहीम अशरफ ने उठाया और 78 रन की नाबाद पारी खेली तब पाकिस्तान की पहली पारी 272 रन के स्कोर पर समाप्त हुई। दक्षिण अफ्रीका के लिए एनरिक नॉ?र्तजे ने पांच विकेट चटकाए। उनके अलावा केशव महाराज ने 3 और वियान मल्डर ने 1 विकेट प्राप्त किया।

जयदेव उनाद्कट ने की शादी

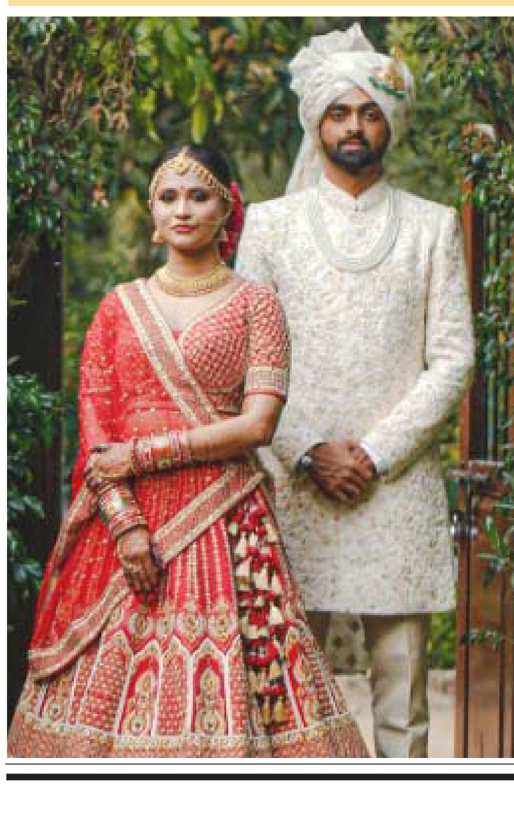

मुंगई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास के सबसे महंगे भारतीय क्रिकेटरों में से एक जयदेव उनाद्कट ने अपनी मंगेतर रिनी से शादी कर ली है। दोनों ने करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में सात फेरे लिए। उनाद्कट और रिनी ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी शादी की गुड न्यूज फैन्स से शेयर की। इन दोनों ने पिछले साल मार्च में सगाई की थी। राजस्थान रॉयल्स ने 2021 सीजन के लिए जयदेव उनाद्कट को रिटेन किया है। भारत के पांच ही ऐसे क्रिकेटर्स हैं, जिन्हें आईपीएल ऑक्शन में 11 करोड़ या इससे ज्यादा की रकम में खरीदा गया है और उनमें उनाद्कट का नाम भी दर्ज है।उनाद्कट को 2018 ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने 11.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनाद्कट ने 2017 आईपीएल में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था और यही वजह थी कि उन्हें इतनी भारी भरकम कीमत पर खरीदा गया था। आईपीएल में सबसे महंगे भारतीय क्रिकेटर होने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम दर्ज है, जिन्हें 2015 ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) ने 16 करोड़ रुपये में खरीदा था।

विराट कोहली तोड़ सकते हैं रिकी पोंटिंग, ब्रायन लारा और क्लाइव लॉयड के तीन बड़े रिकॉर्ड्स

चैन्नई। भारत और इंग्लैंड के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 5 फरवरी से चेन्नई में हुआ। इस सीरीज में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली छोटे से ब्रेक के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट मैच के बाद विराट पैटरनिटी लीव पर स्वदेश रवाना हो गए थे। विराट के लिए इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली यह सीरीज कई मायनों में बहुत खास हो सकती है। विराट कोहली के पास इस सीरीज के दौरान तीन बड़े रिकॉर्ड्स तोड़ने का मौका होगा, इस दौरान वह वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा को पीछे छोड़ सकते हैं, इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोटिंग से भी आगे निकल सकते हैं।

विराट ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मैट में कुल 423 मैचों में 22,286 रन बनाए हैं। उनके पास लारा को पीछे छोड़ने का पूरा मौका रहेगा, जिनके नाम 430 मैचों में 22,358 रन हैं। विराट को लारा को पीछे छोड़ने के लिए महज 73 रन की जरूरत है और यह काम वह चेन्नई में पहले टेस्ट में कर सकते हैं।तीनों फॉर्मेट

मिलाकर सबसे ज्यादा सेंचुरी जड़ने का रिकॉर्ड मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है, जो 100 इंटरनैशनल सेंचुरी ठोक चुके हैं, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग हैं, जिनके खाते में कुल 71 सेंचुरी हैं। विराट के खाते में फिलहाल 70 इंटरनैशनल सेंचुरी हैं और इस सीरीज में अगर वह एक सेंचुरी लगाते हैं, तो पोंटिंग की बराबरी कर लेंगे और अगर दो सेंचुरी लगाते हैं, तो पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे। विराट के पास इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज में कप्तान के मामले में क्लाइव लॉयड से आगे निकलने का मौका भी रहेगा। विराट ने अपनी कप्तानी में 56 मैचों में 33 मैच जीते हैं, जबकि लॉयड ने अपनी कप्तानी में 74 मैचों में 36 मैच जीते हैं। लॉयड की बराबरी करने के लिए विराट को इस सीरीज में तीन टेस्ट जीतने होंगे जबकि लॉयड से आगे निकलने के लिए 4-0 की क्लीन स्वीप करना होगा। टेस्ट में अपनी कप्तानी में सबसे मैच जीतने के मामले में विराट इस समय पांचवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ ने अपनी कप्तानी में 109 टेस्टों में 53 मैच, ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने 77 मैचों में 48 टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव वॉ ने 57 टेस्टों में 41 मैच और लॉयड ने 74 टेस्टों में 36 मैच जीते हैं।